संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शुक्रवार
6 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 134
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संविधान और आम नागरिक का वोट, एसआईआर पर भ्रम फैला रही कांग्रेस : मुख्यमंत्री नायब



पेज-4

करनाल में बोले गृह मंत्री अमित शाह, हम SIR पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार

हिन्द जनपथ

करनाल (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि केंद्र सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संसद की कार्यवाही नहीं चलने देने का आरोप लगाया और कहा कि संसद में हंगामा करना कांग्रेस की कार्यशैली बन गई है।

करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ' रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सरकार एसआईआर पर संसद में चर्चा कराने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष पर इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाना है।

गृह मंत्री ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की रैली पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि गठबंधन की रैली का मकसद मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। शाह ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और लोगों



को यह जानने का अधिकार है कि वह विदेश यात्राओं पर कब और कहां जाते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में करनाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। पदयात्रा सेक्टर 12 से शुरू हो कर और दयानंद चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान शाह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता जनसभा को संबोधित किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और राज्य के कई मंत्री शाह के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक तिरंगा लहराते हुए पदयात्रा में शामिल हुए। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान ऐसे समय में चलाया जा रहा है, जब चुनावी अनियमितताओं के आरोपों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज को लेकर भाजपा और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक टकराव जारी है।

एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। शाह ने सोमवार को हैदराबाद में भी 'लोकतंत्र बचाओ' पदयात्रा का नेतृत्व किया था।

केंद्रीय गृह मंत्री ने अंबाला में किया आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भले ही धीरे-धीरे बोलते हों, लेकिन काम करने में बहुत तेज हैं। उन्होंने कहा कि श्री नायब सिंह सैनी तेजी से काम करने वाले मुख्यमंत्री हैं। श्री अमित शाह ने हरियाणवासियों को कहा कि हरियाणा में जब वर्ष 2029 में भाजपा जनता के बीच वोट मांगने जाएगी, तब पार्टी अपने घोषणा पत्र में किए गए सभी वादों और गारंटियों को पूरा करके जाएगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वीरवार को अंबाला में आयोजित आजादी की पहली लड़ाई (1857) के शहीद स्मारक के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जहां 10 मई, 1857 को क्रांतिवीरों ने अंग्रेजों के शासन के विरुद्ध क्रांति का बिगुल फुंका था और उनकी एक शुरुआत पूरे देशभर में देखते ही देखते आग बनकर फैल गई थी। पूरी दुनिया देखकर आश्चर्यचकित रह गई थी कि जिस अंग्रेजी सरकार का सूर्य कहीं डूबता नहीं था, उसकी नींव हिलाकर रखने वाला वो 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, जिस अंबाला की भूमि पर शुरू हुआ, उसे



मैं बार-बार प्रणाम करता हूं। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल, कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज, बीजेपी केंद्रीय प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता भी उपस्थित रहे। श्री अमित शाह ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अंग्रेजियत से प्रेरित, वामपंथी विचारधारा वाले इतिहासकारों ने एक विद्रोह का नाम दिया।

मोटी-मोटी बातें

EC का बड़ा ऐलान, 6 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू होगा रिवीजन, 21 जनवरी को जारी होगी फाइनल वोटर लिस्ट

नई दिल्ली: निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली एवं दमन एवं दीव, मिजोरम, ओडिशा तथा सिक्किम में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की घोषणा की। इस पुनरीक्षण का उद्देश्य पात्र मतदाताओं, विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना है।

इसके अलावा, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को अग्रिम आवेदन की सुविधा भी इस प्रक्रिया के तहत दी जाएगी। आयोग के अनुसार, मतदाता सूचियों का प्रारूप 30 नवंबर को प्रकाशित किया जाएगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जनवरी 2027 को होगा। निर्वाचन आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को इस प्रक्रिया के लिए पर्याप्त कर्मचारियों और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन: पुलिस कार्रवाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईपावर कमेटी को 1 माह में रिपोर्ट दाखिल करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली । जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर कार्रवाई को लेकर जांच कर रही हाईपावर कमेटी से कहा कि वो 1 महीने में रिपोर्ट दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट के लिए अनिश्चित वक्त तक इंतजार नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी की 31 अक्टूबर की रिपोर्ट सिर्फ अब तक किए गए काम की जानकारी देने वाली रिपोर्ट है। इसमें अभी तक आरोपों पर कोई निष्कर्ष नहीं दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी अब तक मिले सभी दस्तावेजों और सबूतों की जांच करे और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करे। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कमेटी खुद को सिर्फ पीड़ितों की शिकायत तक सीमित न रखें। पीड़ितों की ओर से वकीलों और दूसरे लोगों से पेश की गई शिकायतों, वीडियो और दूसरे सबूतों पर भी विचार करें। मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी की पांच सदस्यीय हाईपॉवर्ड कमेटी ने गुरुवार को सीलबंद लिफाफे में स्टेट्स रिपोर्ट पेश की। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि अगस्त में हाईपावर कमेटी का गठन किया गया लेकिन अभी तक प्रगति का पता नहीं चला। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि जिन विशेष मुद्दों को हमने कमेटी को सौंपा है, उन पर निष्कर्ष आने पर हम उन्हें साझा करेंगे। फिलहाल, हमारी पहली चिंता कमेटी द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर है। कमेटी को पोर्टल पर केवल कुछ ही शिकायतें मिली हैं। ईमेल, डाक या प्रत्यक्ष रूप से कोई शिकायत नहीं मिली। हमारी पहली चिंता यह है कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायतें कमेटी के सामने रखें। एक पोर्टल भी बनाया गया है। एक ईमेल भी बनाई गई है।

'कोई सपना बहुत बड़ा नहीं, कोई चुनौती बहुत कठिन नहीं': पीएम मोदी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 के प्रतिभागियों को सराहा



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत की शानदार प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साल 2010 में 14 मेडल से लेकर 2026 के संस्करण में 114 मेडल तक का भारत का सफर न सिर्फ मेडल टैली में देश की बढ़त को दिखाता है, बल्कि यह हमारे खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा को भी दर्शाता है। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल से बातचीत के बाद, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक तरफ तो यह सिर्फ एक आंकड़ा है... एशियन पैरा गेम्स में भारत की तरक्की का एक आंकड़ा। लेकिन, सबसे अहम बात यह है कि यह तेजी से हुई तरक्की कुछ और भी बताती है... हमारे खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा।' भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 97 पैरा-एथलीट्स ने कुल 114 मेडल जीते, जिनमें 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। कुल मेडल टैली में भारत चौथे स्थान पर रहा।

भारतीय दल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पीएम मोदी ने बताया कि भारत ने 30 गोल्ड मेडल जीते, साथ ही 5 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 9 एशियन रिकॉर्ड भी बनाए। इसके अलावा, चार इवेंट्स में तो भारतीय खिलाड़ियों ने पोडियम की तीनों पोजीशन (पहला, दूसरा और तीसरा स्थान) पर कब्जा कर लिया।

धनतेरस से पहले शेयर बाजार में बंपर दिवाली, सेंसेक्स 2009 अंक उछलकर 79,300 के पार; निवेशकों की हुई चांदी

नई दिल्ली। धनतेरस के पावन पर्व से ठीक एक दिन पहले भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों को बेहतरीन दिवाली गिफ्ट मिला। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों, अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के परिणामों और कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के दम पर बाजार में बंपर तेजी दर्ज की गई है। लगातार चौथे सत्र में तूफानी बढ़त बनाते हुए सेंसेक्स 2000 से अधिक अंकों की जबरदस्त छलांग के साथ 79,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया, जिससे निवेशकों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई है। भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बेहद शानदार रहा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के चलते बाजार में बंपर तेजी दर्ज की गई।

दोआबा के लिए दीवाली का बड़ा तोहफा: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एसबीएस नगर में मेडिकल कॉलेज के लिए एल.ओ.आई. जारी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के लोगों, विशेष रूप से दोआबा क्षेत्र के निवासियों को 'दीवाली का ऐतिहासिक तोहफा' देते हुए शहीद भगत सिंह (एस. बी.एस.) नगर में एक अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज और टीचिंग हॉस्पिटल बनाने के लिए 'लेटर ऑफ इंटेंट' (एलओआई) जारी करके एक और बड़ा वादा पूरा किया है।

पंजाब विधान सभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव कुमार राहुल के साथ पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि पंजाब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (पीआईडीबी) ने



'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण - डीबीएफओटी) मॉडल के तहत 'मेसर्ज़ इंडस सुपर स्पेशलिटी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड' को यह प्रोजेक्ट सौंपा है। इस अवसर पर रूपनगर से विधायक दिनेश चड्ढा और नवांशहर हल्के के इंचार्ज जसप्रीत सिंह रॉबी कंग भी मौजूद थे।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में लगभग 160 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इसके तहत नवांशहर में मौजूद 150 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल को 'नेशनल मेडिकल कमीशन' (एनएमसी) के मानदंडों के अनुसार अपग्रेड करके 220 बिस्तरों वाला टीचिंग हॉस्पिटल बनाया जाएगा, जिसमें अकादमिक और आवासीय बुनियादी ढांचा भी शामिल होगा।

पंजाब के मुख्य सचिव को SC से बड़ी राहत, HC की अवमानना कार्रवाई पर लगाई रोक

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारियों को लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) के भुगतान से जुड़े एक मामले में वीरवार को पंजाब के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चल रही आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें मुख्य सचिव के. ए. पी. सिन्हा और अन्य के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की गई थी।

पीठ ने कहा कि इस मामले में मुख्य सचिव को वीरवार को हाई कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''अगले आदेश तक ...आगे की कार्यवाही पर रोक लगाई जाती है।'' वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी की। पीठ ने हाई कोर्ट में अवमानना की कार्रवाई का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता के वकील से कहा, ''आप मुख्य सचिव को जेल भेजने में क्यों रुचि रखते हैं? हम अवमानना की कार्यवाही पर रोक लगा देंगे।'' पीठ ने अवमानना की कार्रवाई का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता के वकील से यह भी पूछा कि वे मुख्य सचिव द्वारा कथित तौर पर राज्य के विभागों को जारी किए गए एक आंतरिक पत्र पर कैसे भरोसा कर सकते हैं।

पीठ ने कहा, ''हम इस तरह दबाव बनाने की कोशिश को पसंद नहीं करते।'' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने हाई कोर्ट के 12 अक्टूबर के आदेश और उसके बाद जारी एक अन्य आदेश का अध्ययन किया है, जिसमें मुख्य सचिव को इस मामले में उसके समक्ष उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा, ''आगे के आदेश तक आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर रोक लगाई जाती है। सरकारी कर्मचारियों को यहां अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाना चाहिए। तभी उनकी जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी।'' पीठ ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बकाया महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान से जुड़े मामले में हाई कोर्ट के एक अन्य आदेश के खिलाफ दायर दो अलग-अलग याचिकाओं पर भी सुनवाई की। राज्य सरकार ने पीठ को बताया कि मौजूदा सरकार को पिछली सरकार से करीब 13,000 करोड़ रुपये का विरासत में मिला बकाया चुकाने की जिम्मेदारी मिली है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से यह बताने को कहा कि 31 मार्च, 2027 तक बकाया राशि में से कितनी रकम का भुगतान किया जा सकता है। पीठ ने कहा, ''आपको कुछ राहत मिली है। कृपया सकारात्मक जवाब के साथ आइए।'' इसके साथ ही मामले को एक दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हाई कोर्ट के तीन अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए, जिनमें राज्य सरकार भी शामिल है।

अमृतसर में दो उज़ी बंदूकों सहित 8 हथियार, 34 किलो हेरोइन, दो हैंड ग्रेनेड बरामद; 16

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता के तहत अमृतसर देहाती पुलिस ने अवैध हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ सप्लाई करने वाले कई नेटवर्कों का पर्दाफाश किया है और गोलीबारी की तीन घटनाओं को भी सुलझाते हुए पुलिस ने 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों के दौरान मुलजिमों से 34 किलो हेरोइन, दो हैंड ग्रेनेड और आठ हथियार जिनमें दो अति-आधुनिक 9 एमएम 'उज़ी' सब-मशीन गनें शामिल हैं, बरामद किए हैं। यह जानकारी पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी।

'उज़ी' गनों के अलावा पुलिस टीमों ने मुलजिमों से एक 12-बोर बंदूक, पांच अवैध पिस्तौलों सहित 26 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

नशीले पदार्थ और हथियार तस्करी मामलों में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान नवसुमित सिंह उर्फ मनप्रीत सिंह और बलविंदर सिंह उर्फ दोहानी; करनदीप सिंह उर्फ करन और राज कुमार उर्फ संजू; गुरबख्श सिंह और बिक्रमजीत सिंह; सूरज सिंह, राजन और गुरभेज सिंह उर्फ वीरू और सुखमनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। दूसरी ओर, गोलीबारी की तीन घटनाओं के संबंध में पकड़े गए व्यक्तियों में हरकीरत सिंह उर्फ हकी और गुरदित्ता सिंह (झीता कलां कत्ल केस); जोधबीर सिंह उर्फ जोधा, उसकी पत्नी जसकिरन कौर और उनका नाबालिग पुत्र (ब्यास गोलीबारी केस) और साहिबप्रीत सिंह उर्फ साहब (मेहता रेस्टोरेंट में फिरौती के लिए गोलीबारी मामला) शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मुलजिम कथित तौर पर विदेशी हैंडलरों की मदद से हथियारों की खेप प्राप्त करके आगे सप्लाई करते थे। उन्होंने कहा कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए अगली जांच जारी है।

शहीद स्मारक का उद्घाटन ऐतिहासिक क्षण, यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति की अलख जगाएगा - नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंबाला की ऐतिहासिक धरती पर आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन देश के इतिहास में एक गौरवशाली और अविस्मरणीय क्षण है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा इस स्मारक को राष्ट्र को समर्पित करना उन महान बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। यह स्मारक न केवल 1857 की क्रांति के इतिहास और वीर बलिदानियों के अदम्य साहस का साक्षी बनेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति, त्याग और देशप्रेम की भावना को भी मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीरवार को अंबाला में आयोजित आजादी की पहली लड़ाई (1857) का शहीद स्मारक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने स्मारक का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल, कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज, बीजेपी केंद्रीय प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का, मां अंबा की पावन धरा पर तीन करोड़ हरियाणावासियों की ओर से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने 1857 की आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक तथा नेशनल हाईवे 152जी जलबेड़ा- शाहाबाद खंड का लोकार्पण कर प्रदेशवासियों को समर्पित करने पर केंद्रीय गृह मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज अंबाला की धरती पर इतिहास, शौर्य और राष्ट्रीय गौरव



का एक नया अध्याय लिखा गया है। हमारे लिए बड़े गर्व की बात है कि यह अध्याय देश के यशस्वी केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी के कर कमलों से लिखा गया है। आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन करके आपने उन महान बलिदानियों को पूरे राष्ट्र की ओर से नमन किया है, जिन्होंने भारत माता की गुलामी की बेड़ियां काटने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए अपना आज कुर्बान कर दिया, ताकि हम आजाद भारत में अपना कल संवार सकें।

'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत चुराह के देहग्रां पहुंचे ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू गत रात चंबा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बैरागढ़ के देहग्रां पहुंचे। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत आयोजित इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों, महिला मंडलों और युवक मंडलों के साथ सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों की वास्तविक समस्याओं और वहां की भौगोलिक परिस्थितियों को करीब से समझना है। इन्हीं जानकारियों के आधार पर बजट में आवश्यक बदलाव कर विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और गांवों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन और



नवीकरणीय ऊर्जा को सतत् आजीविका के प्रमुख साधन के रूप में भी चिन्हित किया है। होम-स्टे स्थापित करने, उनका विस्तार अथवा उन्नयन के लिए 5 करोड़ रुपये तक के निवेश पर प्रदेश सरकार द्वारा 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जा रहा है। 680 करोड़ रुपये की राजीव गांधी स्टार्ट-अप स्वरोजगार सौर ऊर्जा योजना के तहत निजी भूमि पर 100 किलोवाट से 2 मेगावाट तक के सोलर पैनल लगाने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में 5 प्रतिशत और गैर-जनजातीय क्षेत्रों में 4 प्रतिशत ब्याज अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में 250 किलोवाट से 1 मेगावाट तक का सोलर पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए बैंक से ऋण लेता है, तो उस पर लगने वाले 9 प्रतिशत ब्याज में से 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार अगले माह से 'मुख्यमंत्री का अपना परिवार सुखी परिवार योजना' शुरू करेगी। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को 300 यूनिट निःशुल्क बिजली तथा स्वास्थ्य बीमा कार्ड के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस योजना से बैरागढ़ की 182 महिलाओ को 1500-1500 प्रतिमाह वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इंटरनेशनल फुटबॉल से किया संन्यास का ऐलान, पुर्तगाल के लिए दागे सर्वाधिक गोल

नई दिल्ली । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। रोनाल्डो ने अपने संन्यास की जानकारी सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो शेयर करते हुए दी। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू साल 2003 में किया था। इसके बाद से उन्होंने टीम की ओर से खेलते हुए कई बड़े रिकॉर्ड्स कायम किए। खिलाड़ी के साथ-साथ रोनाल्डो ने पुर्तगाल टीम की कप्तानी भी की और उनकी अगुवाई में टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। रोनाल्डो ने अपने 232 मैचों के करियर में कुल 146 गोल किए। पुर्तगाल की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड भी रोनाल्डो के ही नाम है। रोनाल्डो की अगुवाई में पुर्तगाल ने साल 2016 में यूरो कप का खिताब अपने नाम किया था। रोनाल्डो ने संन्यास लेने के अपने इस फैसले को खुद के लिए बेहद कठिन निर्णय बताया। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान उनका समर्थन करने वाले लोगों का भी धन्यवाद किया।

रोनाल्डो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'पुर्तगाल के लोगों, अब समय आ गया है कि नेशनल टीम की नंबर 7 जर्सी आप सभी को वापस सौंप दी जाए। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि यह सिर्फ मेरी है, लेकिन 23 वर्षों तक मुझे इसे पहनने, इसका मान रखने और दुनिया भर के स्टेडियमों में इसे अपने साथ ले जाने का सौभाग्य और जिम्मेदारी मिली। आज इसे भविष्य को सौंपने का समय आ गया है।'

मुख्यमंत्री ने भरमौर विधानसभा क्षेत्र में 175 करोड़ की विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किए

भूपिन्दर चौहान

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को ज़िला चम्बा के भरमौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लिल्ह कोठी में 175 करोड़ रुपये लागत की 26 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए।

मुख्यमंत्री ने 10.64 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भरमौर-बड़ग्राम वाया गागला से लूणी सड़क के स्तरोन्यन कार्य, 9.65 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सिरड़ी से सुपा सड़क के स्तरोन्यन कार्य, लोक निर्माण विभाग मंडल होली में 83 लाख रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक पार्किंग व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा 14.46 करोड़ रुपये की लागत से लिल्ह कोठी में निर्मित नए राजकीय आदर्श महाविद्यालय का लोकार्पण किया।

उन्होंने किलोड़-कुनेड़ सड़क पर बटोटू नाले पर 2.41 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मैहला में 33 लाख रुपये की लागत से निर्मित चार कमरों तथा 16 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक औषधालय बेलज का भी लोकार्पण किया।



मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास भी किए। इनमें 6.77 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली डिबरी से ओहरा सड़क, 3.73 करोड़ रुपये की लागत से झिकली कुगती से उपली कुगती सड़क, 11.26 करोड़ रुपये की लागत से नयाग्राम से बजोल सड़क, 9.51 करोड़ रुपये की लागत से हड़सर से बलमुई सड़क, 16.98 करोड़ रुपये की लागत से लामू से क्वारसी सड़क, 11.98 करोड़ रुपये की लागत से कांडी से कुठेर सड़क, 6.02 करोड़ रुपये की लागत से उरई गांव से घटोर तक संपर्क सड़क, 4.76 करोड़ रुपये की लागत से पट्टी से खुंड सड़क, 3.88 करोड़ रुपये की लागत से खणी से अर्की सड़क तथा 8.59 करोड़ रुपये की लागत से खड़ामुख से धजी सड़क शामिल हैं।

उन्होंने 3.99 करोड़ रुपये की लागत से ठठाण गांव के लिए संपर्क सड़क, 8.84 करोड़ रुपये की लागत से बकाणी से धरबेटा सड़क, 9.12 करोड़ रुपये की लागत से लाहल से कुनेड़ सड़क, 5.81 करोड़ रुपये की लागत से सुनारा-कुंडी-अंदरूंड सड़क, 6.03 करोड़ रुपये की लागत से दुनाली से कलांस सड़क, 7.17 करोड़ रुपये की लागत से गेहरा से मंधारा सड़क तथा 5.73 करोड़ रुपये की लागत से गलथन से मस्सू सड़क का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चूड़ी में 5.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 30 बिस्तरों की क्षमता वाले नए अस्पताल भवन की आधारशिला भी रखी। उन्होंने 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले उप तहसील धरवाला के नए भवन का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने तीसा में एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन को दिखाई हरी झंडी

हिन्द जनपथ

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को चंबा ज़िला में पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तीसा से एंटी-चिट्टा वॉकाथान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वॉकाथॉन में विद्यार्थियों ने भारी संख्या में भाग लेकर नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार नशा माफिया के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रही है और नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के लिए हिमाचल प्रदेश में कोई स्थान नहीं है तथा इस कारोबार से जुड़े व्यक्तियों की परिसम्पतियां सरकार द्वारा जब्त की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार का उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में एंटी-चिट्टा रैली और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि युवाओं और आम जनता को चिट्टा एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा सके।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नशे के विरुद्ध जागरूकता में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि वह दूरभाष नम्बर 112 डायल कर नशा तस्करों के बारे में पुलिस को जानकारी दें। जानकारी देने वाले की पहचान पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

सुरक्षित डिजिटल पेमेंट के लिए एनपीसीआई के सुरक्षा सुझाव

हिन्द जनपथ

शिमला। त्योहारों की इस भागदौड़ में कई बार लोग ऐसे ऑफर का फायदा उठाने के लिए बिना सोचे-समझे फैसला कर लेते हैं, जो देखने में बहुत अच्छे लगते हैं। साइबर ठग लोगों के इस व्यवहार को अच्छी तरह समझते हैं और सोशल इंजीनियरिंग के जरिए इसका फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसाते हैं। हमेशा वेबसाइट का पता खुद टाइप करें या अधिकृत ऐप का ही इस्तेमाल करें। हमेशा ऐप या वेबसाइट के पेमेंट पेज पर ही भुगतान करें और पेमेंट करने से पहले विक्रेता की जानकारी अच्छी तरह जांच लें।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश सरकार ने आरम्भ की कई योजनाएं: मुख्यमंत्री



शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान समाज के सभी वर्गों और प्रदेश के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। व्यवस्था परिवर्तन की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश सरकार ने अनाथ बच्चों, विधवाओं, एकल महिलाओं, किसानों, बागवानों और युवाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं तैयार कर उन्हें धरातल पर लागू किया है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री ने आज चंबा जिले के भरमौर विधानसभा क्षेत्र के लिल्ह कोठी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष दृष्टिकोण अपनाया है। व्यवस्था परिवर्तन के माध्यम से प्रदेश सरकार ने कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका के साधनों को बढ़ावा देना है।

श्री सुक्खू ने कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के छः महीने बाद ही प्रदेश ने भयंकर प्राकृतिक आपदा का सामना किया लेकिन केंद्र सरकार से कोई मदद नहीं मिली। प्रदेश सरकार ने रिकॉर्ड समय में राज्य में फंसे 75 हजार से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाया और साथ ही बिजली व पेयजल आपूर्ति बहाल की गई। गंभीर आपदा के बीच प्रधानमंत्री ने राज्य को 1500 करोड़ रुपये देने की घोषणा की जो आज तक नही मिले हैं। प्रदेश भाजपा के नेताओं से भी कोई सहयोग नहीं मिला। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से प्रभावित परिवारों को विशेष राहत पैकेज दिया जिसमें नियमों में बदलाव करते हुए पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता 1.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 8.50 लाख रुपये की गई। प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्य को विश्व बैंक और नीति आयोग ने भी सराहा।

मुख्यमंत्री ने कहा के प्राकृतिक आपदा के साथ-साथ राज्य सरकार को राजनीतिक संकट का सामना भी करना पड़ा जब भाजपा ने कांग्रेस के कुछ विधायकों को चोरी कर जन भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। मुख्यमंत्री ने वर्तमान में चल रही भाजपा की पदयात्रा पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि वोट चोरी करने वालों को इसका कोई अधिकार नहीं है। पदयात्रा की सही हकदार कांग्रेस पार्टी है जिसने संविधान के माध्यम से देश की जनता को लोकतंत्र का अधिकार और वोट की ताकत दी।

श्री सुक्खू ने शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में आज हिमाचल प्रदेश देश भर में पांचवें स्थान पर है लेकिन भाजपा को बताना चाहिए कि उनकी सरकार के कार्यकाल में 21वें स्थान पर क्यों पहुंच गया था। पूर्व सरकार के कार्यकाल में हालात यह बन गए थे कि पांचवीं कक्षा का विद्यार्थी दूसरी कक्षा की किताब पढ़ने में भी असमर्थ था। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलें तथा सीबीएसई और राज्य स्कूली शिक्षा बोर्ड में कोई अंतर न हो, इस उद्देश्य से सीबीएसई स्कूल खोले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत चंद्रमणि कुलेठी के परिजनों से मुलाकात की



हिन्द जनपथ

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को भरमौर विधानसभा क्षेत्र के होली में प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव दिवंगत चंद्रमणि कुलेठी के निवास पहुंचकर शोकग्रस्त परिजनों से मुलाकात कर उनका ढाढस बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंद्रमणि कुलेठी सामाजिक और लोकप्रिय युवा नेता थे जिनका अकस्मात् निधन सबके लिए पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में प्रदेश सरकार और पार्टी संगठन कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिलाया कि चंद्रमणि कुलेठी की धर्मपत्नी को सरकारी रोज़गार प्रदान करने पर विचार किया जाएगा और उनके नाम पर किसी विशिष्ट स्थान का नामकरण भी किया जाएगा। विधायक नीरज नैय्यर भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ उपस्थित थे।

राज्यपाल ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों के साथ मनाई दीपावली

हिन्द जनपथ

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने वीरवार को इंस्टीट्यूट फॉर चिल्ड्रन विद स्पेशल एबिलिटी, ढली, शिमला का दौरा किया और बच्चों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को मिठाइयां वितरित कीं तथा उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों के प्रति उनका स्नेह और भावनात्मक जुड़ाव ही उन्हें इस संस्थान में लाया है, ताकि वह उनके साथ त्यौहार की खुशियां साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह पर्व आशा, खुशियों, करुणा तथा आपसी सौहार्द का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि त्यौहारों की वास्तविक भावना दूसरों के साथ खुशियां बांटने तथा यह सुनिश्चित करने में निहित है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को समाज का अभिन्न हिस्सा, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करे।

कविन्द्र गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि संस्थान में प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमताओं को निखारने, आवश्यक कौशल विकसित करने, आत्मनिर्भर बनने तथा सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं और विभिन्न कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाएगा।



श्री गुप्ता को बच्चों को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि उनका साहस, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें हर संभव प्रोत्साहन और सहयोग देने का आश्वासन दिया।

केंद्र के पैसे से अपनी राजनीति चमका रहे मुख्यमंत्री: त्रिलोक कपूर

हिन्द जनपथ

शिमला। भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से प्राप्त धनराशि को बांटकर अपनी उपलब्धियां गिनाने में व्यस्त हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों के योगदान का उल्लेख तक नहीं करते।



उन्होंने राजस्थान से 15.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचने के समझौते से चार महीने में 400 करोड़ रुपड्ड की अनुमानित आमदनी के दावे पर भी सवाल उठाए। कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रदेश की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है, बिजली बेचने से कितनी शुद्ध आय होगी और इस राशि का उपयोग किन कार्यों में किया जाएगा। कपूर ने कहा कि चुराह में 60.67 करोड़ रुपड्ड की विकास परियोजनाओं की घोषणाओं के साथ मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि इनमें केंद्र और राज्य सरकार की वित्तीय हिस्सेदारी कितनी है। प्रदेश की जनता को योजनाओं के वित्तपोषण की वास्तविक जानकारी मिलनी चाहिए।

आम जनता के बीच अपनों की तरह पहुंचे मुख्यमंत्री, देहग्रां के राम कृष्ण तिवारी के घर गुजारी रात

भूपिन्दर चौहान

शिमला । ज़िला के दुर्गम क्षेत्र चुराह के देहग्रां में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आम जनता के बीच अपनों की तरह पहुंचकर लोगों का दिल जीत लिया। गत रात्रि 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री ने देहग्रां के राम कृष्ण तिवारी के घर न केवल रात गुजारी, बल्कि पारंपरिक पहाड़ी भोजन का लुत्फ भी उठाया।

राम कृष्ण तिवारी के परिवार ने मुख्यमंत्री के लिए खास तौर पर मक्की की रोटी, सरसों का साग और स्थानीय पारंपरिक गेहूं के लड्डू 'ऐहण' तैयार किए थे, जिसे मुख्यमंत्री ने बड़े चाव से खाया।

मुख्यमंत्री के इस प्रवास से प्रसन्न राम कृष्ण तिवारी ने कहा कि हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि पूरे सूबे के मुखिया हमारे छोटे से घर में आएंगे, हमारे साथ बैठेंगे और रात गुजारेंगे। यह हमारे पूरे परिवार के लिए जीवन का सबसे गौरवशाली क्षण है।



उनका कहना है कि इससे पहले कोई मुख्यमंत्री इस दूरदराज के गांव में नहीं आया। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू इस सुदूर गांव में रात बिताने वाले प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हैं, जिससे स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह है। परिवार के अन्य सदस्यों चेतना तिवारी व विनीत तिवारी ने भी कहा कि सच में मुख्यमंत्री आम जनता के जन प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके इस प्रवास से क्षेत्रवासियों में उत्साह का संचार हुआ है। उनका कहना है कि उनके घर में मुख्यमंत्री का एक रात्रि का प्रवास दिवाली की तरह खुशियां लेकर आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री का उनके घर पर रात्रि विश्राम के लिए आभार भी व्यक्त किया।

शिक्षा मंत्री ने 2.50 करोड़ से निर्मित लोहट पुल का किया लोकार्पण

हिन्द जनपथ

शिमला । शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर वीरवार को कोटखाई उप मण्डल के अंतर्गत बाग डुमेहर पंचायत में मौजूद रहे जहाँ पर उन्होंने 2 करोड़ 50 लाख रूपये से निर्मित लोहट पुल का लोकार्पण किया। गौरतलब है कि यह पुल बाग डुमेहर पंचायत में बनने वाला एक महत्वपूर्ण और बहुप्रतिक्षित पुल है जिसका शिलान्यास भी शिक्षा मंत्री द्वारा 15 फरवरी 2023 को किया गया था।

इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले 4 वर्षों के कार्यकाल के दौरान जुब्बल नावर कोटखाई विधानसभा क्षेत्र चहूंमुखी विकास के क्षेत्र में एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनकर उभरा है जहाँ पर सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, नागरिक सुरक्षा और पेयजल जैसी अन्य मूलभूत सुविधाओं में आशातीत और अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।





जुब्बल नावर कोटखाई में विकास कार्यों पर खर्च किये जा रहे 850 करोड़: रोहित ठाकुर ने बताया कि जुब्बल नावर कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में सड़क और भवन निर्माण पर वर्तमान में 850 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं जिसके तहत 30 अलग-अलग भवन जनता को समर्पित किए गये हैं और आने वाले एक वर्ष के दौरान 20 अन्य निर्माणाधीन भवन भी जनता को समर्पित किये जाएंगे। इसके साथ ही 5 पुलों का निर्माण भी हुआ है और 4 अन्य पुल इस समय निर्माणाधीन है और शीघ्र ही उनको भी जनता को समर्पित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त हिमाचल में सबसे अधिक 205 नई सड़कों का निर्माण इसी विधानसभा क्षेत्र में किया गया और सफलतपूर्वक पासिंग की गई जोकि अपने आप में एक कीर्तिमान होगा। इसके अतिरिक्त भी नई सड़कों का निर्माण निरंतर जारी है।

5.36 करोड़ से निर्माणाधीन बीडीओ कोटखाई के निर्माणाधीन भवन का किया निरिक्षण: इस दौरान रोहित ठाकुर ने विकास खंड अधिकारी कोटखाई के निर्माणाधीन भवन का निरिक्षण भी किया। 5 करोड़ 36 लाख की राशि से बनने वाला यह भवन कोटखाई की जनता के लिए एक बड़ी सौगात होगा। इसके बनने से विकास खंड कोटखाई कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को सुविधा होगी और विकास कार्यों को अधिक गति मिलेगी। पंचायती राज संस्थाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में यह कार्य एक मील का पत्थर साबित होगा। यह एक पांच मंज़िला भवन होगा जिसमें खंड विकास अधिकारी के कार्यालय एवं आवास के अतिरिक्त कर्मचारियों के लिए नई तकनीक से युक्त कमरों का निर्माण किया जा रहा है।

कांगड़ा कार्निवल का प्रमुख आकर्षण होगी धर्मशाला मैराथन-2026 - जफर इकबाल- धर्मशाला, कांगड़ा कार्निवल-2026 के तहत धर्मशाला में 27 दिसंबर को मैराथन का भव्य आयोजन किया जाएगा। नगर निगम धर्मशाला एवं जिला प्रशासन द्वारा बिगफुट एडवेंचर इंडिया के सहयोग से आयोजित होने वाली इस मैराथन में देशभर से हजारों धावकों के भाग लेने की उम्मीद है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया पूरी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 01.01.2027 को अर्हता तिथि मानते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के हिस्से के रूप में पंजाब भर में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अनिंदिता मित्रा, आईएएस ने बताया कि मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के लिए पहुंच और सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया कि पहले राज्य में 25,332 मतदान केंद्र थे। एसएसआर-2026 के दौरान युक्तिकरण की प्रक्रिया के तहत मतदाताओं की संख्या और भौगोलिक पहुंच को ध्यान में रखते हुए 39 नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

युक्तिकरण के बाद अब पंजाब राज्य में मतदान केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 25,371 हो गई है।

सभी नवनिर्मित मतदान केंद्रों का निरीक्षण संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों द्वारा किया गया है और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श करके इन मतदान केंद्रों के प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया है।

गैंगस्टरां ते वार का 289वां दिन: पंजाब पुलिस ने 484 ठिकानों पर की छापेमारी; 178 काबू

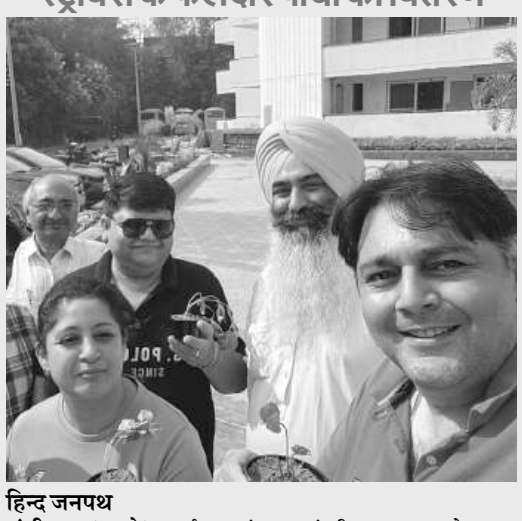
हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में चलाए जा रहे अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 289वें दिन पंजाब पुलिस ने आज प्रदेशभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिह्नित एवं मैप किए गए 484 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया निर्णायक अभियान है। इसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें प्रदेशभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 289वें दिन पुलिस टीमों ने पांच हथियारों सहित 178 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 82,687 हो गई है। इसके अतिरिक्त, 160 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने इस कार्रवाई के दौरान पांच भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया।

आम लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से सूचना दे सकते हैं। इसके अलावा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी पुलिस के साथ साझा कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद चंडीगढ़ प्रांत एवं चण्डीगढ़ एनवॉयरमेंटल ग्रुप द्वारा 3,000 स्ट्रॉबेरी के फलदार पौधों का वितरण



हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद, चंडीगढ़ प्रांत एवं चण्डीगढ़ एनवॉयरमेंटल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में चंडीगढ़ के विभिन्न सेक्टरों में 3,000 स्ट्रॉबेरी के पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के प्रांतीय संयोजक पर्यावरण अजय सिंगला ने बताया कि परिषद समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने तथा प्रकृति के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न पर्यावरणीय प्रकल्प आयोजित करती रहती है। इसी श्रृंखला में स्ट्रॉबेरी के पौधों का वितरण किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान भारत विकास परिषद की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष एम.के. विरमानी एवं प्रांतीय महासचिव मंजीत सिंह तथा चंडीगढ़ एनवॉयरमेंटल ग्रुप की ओर से राहुल महाजन ने चंडीगढ़ के विभिन्न सेक्टरों में आयोजित वितरण कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

सभी ने मिलकर स्वच्छ, सुंदर एवं हरित चंडीगढ़ के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

भगवंत मान सरकार द्वारा सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों के 1,000 विद्यार्थियों को यू.पी.एस.सी. और पी.सी.एस. की मुफ्त कोचिंग दी जाएगी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब भर के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवाओं की तैयारी को सुलभ बनाने के उद्देश्य से भगवंत मान सरकार द्वारा राज्य के 1,000 कॉलेज विद्यार्थियों को केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) सिविल सेवा परीक्षा और पंजाब सिविल सेवा (पी.सी.एस.) परीक्षाओं के लिए पूरी तरह मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी।



उच्च शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में शुरू किए जा रहे इस कार्यक्रम के तहत सरकारी कॉलेजों के 750 और निजी कॉलेजों के 250 विद्यार्थियों को कवर किया जाएगा। स. बैंस ने कहा कि राज्य सरकार 'रंगला पंजाब' बनाने की दिशा में 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के विजन का उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक विस्तार कर रही है। यह क़दम उन वित्तीय और अन्य बाधाओं को दूर करेगा, जिनके कारण अक्सर प्रतिभाशाली विद्यार्थी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित युवा सिविल सेवाओं की मानक कोचिंग लेने से वंचित रह जाते थे।

इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'पंजाब के हर युवा की आंखों में एक सपना है और किसी भी सपने की उड़ान केवल इसलिए नहीं रुकनी चाहिए कि परिवार कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकता या विद्यार्थी किसी बड़े कोचिंग सेंटर से दूर रहता है। हम चाहते हैं कि पंजाब के बच्चे पूरी आजादी से बड़े सपने देखें और यह समझकर चलें कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।'

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, 'इस पहल के द्वारा हम उन अवसरों को खोल रहे हैं जो पहले कई विद्यार्थियों को अपनी पहुंच से बाहर लगते थे। हम उन्हें भविष्य के अधिकारी, प्रशासक और नेता बनने का आत्म-विश्वास दे रहे हैं। 'पंजाब शिक्षा क्रांति' केवल क्लासरूम को सुधारने तक सीमित नहीं है; यह हमारे बच्चों के भविष्य को संवारने का उपक्रम है। जब हमारा युवा आगे बढ़ेगा, तो पंजाब आगे बढ़ेगा। हम सब मिलकर रंगले पंजाब के निर्माण की ओर लगातार कदम बढ़ा रहे हैं।'

उच्च शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'सिविल सेवाओं की तैयारी करने वाले हर उम्मीदवार का एक सपना, सालों भर का दृढ़ इरादा और उसके सपने को पूरा करने में साथ खड़ा उसका परिवार होता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि किसी विद्यार्थी के आगे बढ़ने की सीमा उसके परिवार की वित्तीय स्थिति तय न करे।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस क़दम के कारण गांव या किसी छोटे कस्बे के कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थी को भी वही योजनाबद्ध तैयारी, मार्गदर्शन और अकादमिक सहायता मिलेगी जो किसी बड़े कोचिंग हब में पढ़ने वाले विद्यार्थी को मिलती है। हमारे लिए 'पंजाब शिक्षा क्रांति' की असली सफलता तब है जब हर विद्यार्थी यह महसूस करने लगे कि कोई भी मंजिल उसकी पहुंच से दूर नहीं है और हमारी यह पहल उसी भरोसे को बनता सहयोग, अवसर और सही दिशा प्रदान करने के लिए है।'

एसबीआई द्वारा राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0 के अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

चण्डीगढ़ : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0 के अंतर्गत एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर तक चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों के बीच फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना है।

इस संगोष्ठी में चंडीगढ़, पंचकूला एवं मोहाली से 150 से अधिक पेंशनभोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पेंशनभोगियों को आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया, इसके लाभ एवं उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बैंक अधिकारियों की सहायता से उपस्थित पेंशनभोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र भी सफलतापूर्वक अपडेट किए गए।



इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनभोगियों के लिए वार्षिक जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल, सुविधाजनक एवं सुलभ बनाना है, ताकि उन्हें इसके लिए बार-बार बैंक शाखाओं में जाने की आवश्यकता न पड़े। जीवन प्रमाण सुविधा के माध्यम से पेंशनभोगी स्मार्टफोन का उपयोग करके फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक द्वारा अपना जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से जमा कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में किसी अलग बायोमेट्रिक मशीन की आवश्यकता नहीं होती। इस कार्यक्रम में अमरेश कुमार झा, मुख्य महाप्रबंधक, नितिन जोशी, उप महाप्रबंधक (डीएंडटीबी), विनीत कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, आरबीओ-4, चंडीगढ़ तथा सुश्री नेहा पराशर, सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री कनिका विज, शाखा प्रबंधक तथा रविंद्र कुमार, मुख्य प्रबंधक का भी सक्रिय योगदान रहा।

ग्रीन दिवाली का भव्य शुभारंभ: पटाखों को ना, हरियाली को हां



चण्डीगढ़ : गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-20 में आज एक नई प्रेरणा और एक नए जोश के साथ ग्रीन दिवाली का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा महिला मोर्चा नेता श्रीमती रुबी गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती रितु ग्रोवर एवं अन्य शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर छात्राओं ने दिवाली की खुशी को पटाखों की जगह अपनी रचनात्मकता से मनाया। उन्होंने तरह-तरह की होममेड वस्तुएं, हस्तकला और सजावटी सामान प्रदर्शित किए। साथ ही दिवाली पर फूल-पौधे भेंट स्वरूप देने की एक नई प्रथा शुरू करने का अभियान भी चलाया, जिसे सभी ने खूब सराहा।

अपने संबोधन में श्रीमती रुबी गुप्ता ने कहा कि चंडीगढ़ में प्रदूषण अपना भयंकर रूप ले चुका है। हमारे तीज-त्योहारों को कॉरपोरेट वर्ल्ड अपने मार्केट को बूस्ट करने के लिए गलत दिशा में ले जा रहा है। हमें त्योहारों की मूल संरचना को समझना होगा और प्रदूषण मुक्त कार्यों के लिए समाज में प्रेरणा स्रोत बनना होगा। ग्रीन दिवाली ही सच्ची दिवाली है।

कार्यक्रम में दिल्ली दूरदर्शन, चंडीगढ़ की न्यूज़ रीडर श्रीमती भानु प्रिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने भी बच्चों की इस पहल की सराहना की और कहा कि यही छोटी-छोटी पहलें बड़े बदलाव की नींव बनती हैं।

जनगणना 2027: विशेष प्रभारों (स्पेशल चार्जिज) को लेकर राज्य नोडल अधिकारियों की बैठक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जनगणना संचालन निदेशक डॉ. नवजोत खोसा, आई.ए.एस. की अध्यक्षता में आज विशेष प्रभारों (स्पेशल चार्जिज) के संबंध में राज्य नोडल अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य नोडल अधिकारियों को जागरूक करना तथा सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों में जनगणना 2027 के जनसंख्या गणना चरण (फेज-2) की तैयारियों की समीक्षा करना था।

बैठक में विशेष प्रभारों के अंतर्गत सुरक्षित, सटीक और निर्धारित समय-सीमा में जनगणना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इन विशेष प्रभारों में रक्षा क्षेत्र, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ.) के क्षेत्र, शिविर एवं संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, वैज्ञानिक एवं अनुसंधान केंद्र तथा परिचालन, अग्रिम मोर्चे और दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं, जहां सामान्य नागरिक गणनाकारों की पहुंच सीमित होती है।

उल्लेखनीय है कि जनसंख्या गणना (फेज-2) 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक आयोजित की जाएगी। इसके बाद 5 से 9 जनवरी 2027 तक संशोधन चरण (रिवीजनल राउंड) चलेगा। जनगणना 2027 के लिए संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय:

राज्य नोडल अधिकारी प्रदेश के सभी विशेष प्रभारों की पहचान करेंगे, वहां कवर की जाने वाली अनुमानित आबादी का आकलन करेंगे तथा संबंधित जिला जनगणना अधिकारी (डी.सी.ओ.) के साथ सूची साझा करेंगे।



प्रत्येक विशेष प्रभार के लिए एक राजपत्रित अधिकारी को प्रभारी अधिकारी (चार्ज ऑफिसर) नियुक्त किया जाएगा।

जिला जनगणना अधिकारी, पंजाब द्वारा दिशा-निर्देशों से संबंधित मैनुअल, खाली जनगणना अनुसूचियां, लोकेशन कोड तथा अन्य जनगणना सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। विशेष प्रभारों में आंकड़ों की प्रविष्टि भारत के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले अलग मॉड्यूल के माध्यम से की जाएगी।

विशेष प्रभारों के अधिकारियों का प्रशिक्षण 12 नवंबर 2026 को एन.आई.टी.टी.टी.आर., सेक्टर-26, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद संबंधित विशेष प्रभार अधिकारी राज्य नोडल अधिकारियों, पी.सी.ओ. और डी.सी.ओ. पंजाब के समन्वय से गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करेंगे।

विशेष प्रभारों में तैनात गणनाकारों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 30 नवंबर 2026 तक पूरा करना अनिवार्य होगा।

बैठक के दौरान समय पर प्रशिक्षण और जमीनी स्तर पर जनगणना कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए राज्य नोडल अधिकारियों, विशेष प्रभार अधिकारियों तथा डी.सी.ओ. पंजाब के बीच आपसी समन्वय पर जोर दिया गया, ताकि विशेष प्रभारों में जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी सटीकता के साथ पूरा किया जा सके।

जनगणना निदेशक ने बैठक में शामिल होने वाले नोडल अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 के लिए आंकड़े एकत्र करने की कार्यप्रणाली पर इस तरह की सार्थक चर्चा का हिस्सा बनना गर्व की बात है।

'शक्ति' पहल ने नशे के विरुद्ध कजेहड़ी की महिलाओं को किया जागरूक

चंडीगढ़: मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन की नो नशा नेशन टास्क फोर्स (एनएनएनटीएफ) द्वारा चंडीगढ़ के कजेहड़ी गाँव में महिला जागरूकता एवं सहायता पहल 'शक्ति' के अंतर्गत सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को नशामुक्ति केंद्रों, उपचार के विभिन्न विकल्पों, हेल्पलाइन सेवाओं, परामर्श सुविधाओं तथा नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास और सहायता संबंधी उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देकर सशक्त बनाना था।



घर-घर जाकर चलाए गए इस जागरूकता अभियान के दौरान छात्र स्वयंसेवकों ने महिलाओं से संवाद किया और उन्हें नशे के व्यक्तियों तथा परिवारों पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों से अवगत करवाया। साथ ही, उन्हें पेशेवर सहायता और परामर्श प्राप्त करने के उपलब्ध माध्यमों की जानकारी भी दी गई। इस पहल का एक महत्त्वपूर्ण परिणाम यह रहा कि कई महिलाओं ने नशे की समस्या से जूझ रहे अपने परिवार के सदस्यों के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु स्वयंसेवकों से संपर्क किया। उन्होंने विशेष रूप से उन परिस्थितियों में सहायता की आवश्यकता जताई, जहाँ परिवार के सदस्यों के बार-बार प्रयास करने के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई थी।

टास्क फोर्स इन परिवारों से संपर्क बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उपयुक्त पेशेवर परामर्श और नशामुक्ति सेवाओं तक पहुँचाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने का प्रयास करेगी। इस पहल ने नशे की समस्या से निपटने में सामुदायिक सहभागिता, पारिवारिक सहयोग और सुलभ सहायता प्रणालियों के महत्त्व को रेखांकित किया। 'शक्ति' के माध्यम से टास्क फोर्स जागरूक संवाद को बढ़ावा देने, सामाजिक कलंक को दूर करने तथा सहायता और पुनर्वास के मार्ग सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। यह पहल एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने छात्र स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह आउटरीच पहल सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवा नागरिकों के निर्माण के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करती है, जो सामुदायिक कल्याण में सक्रिय योगदान देते हैं।

जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज, चंडीगढ़ ने पूर्व छात्र मिलन समारोह का हुआ आयोजन

चण्डीगढ़ : जीजीडीएसडी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन (एसडीएएसी) ने कॉलेज परिसर में 1982, 1983, 1984 और 1995 के बैच के पूर्व छात्रों के लिए एक विशेष मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा सभी पूर्व छात्रों के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। उन्होंने सभी बैचों के पूर्व छात्रों का स्वागत किया और अपने पुराने कॉलेज के साथ उनके निरंतर जुड़ाव की सराहना की। उन्होंने भविष्य के कार्यक्रमों, गतिविधियों और संस्थागत पहलों के लिए पूर्व छात्रों के साथ मजबूत संपर्क बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पूर्व छात्रों को कॉलेज के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहने और इसके निरंतर विकास और प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम ने पूर्व छात्रों को एक-दूसरे से फिर से जुड़ने, अपने कॉलेज से दोबारा नाता जोड़ने और कॉलेज की अपनी पुरानी सुखद यादों को फिर से जीने का एक शानदार अवसर प्रदान किया। पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक अपने व्यक्तिगत और पेशेवर अनुभवों को साझा किया, कॉलेज के दिनों की यादें ताज़ा कीं और एक-दूसरे के साथ हंसी-मज़ाक भरे पल बिताए। इस मिलन समारोह में आत्मीयता, आपसी भाईचारा, हंसी-खुशी और पुरानी यादों का माहौल था, जिसने पूर्व छात्रों और उनके संस्थान के बीच के बंधन को और मजबूत किया।



एसडीएएसी टीम, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा का उनके निरंतर प्रोत्साहन, बहुमूल्य सहयोग और पूर्व छात्रों को अपने कॉलेज से फिर से जुड़ने के सार्थक अवसर प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती है। इस यादगार अवसर को संजोने के लिए अंत में एक सामूहिक तस्वीर ली गई। धन्यवाद प्रस्ताव डीन एलुमनाई, डॉ. मीनू गुप्ता द्वारा दिया गया, जिन्होंने सभी पूर्व छात्रों को उनके उत्साहपूर्ण योगदान और इस मिलन समारोह को यादगार और सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। यह पूर्व छात्र मिलन समारोह एक आनंदमय और सार्थक अवसर था, जिसमें जीवन भर की दोस्ती, साझा अनुभवों और पूर्व छात्रों तथा उनके कॉलेज के बीच के अटूट बंधन का जश्न मनाया गया।

मलोया स्मॉल फ्लैट्स के हजारों परिवारों को दिवाली का तोहफा, किराया घटाकर 800 और ब्याज माफ करने पर हरिशंकर मिश्रा ने जताया आभार

चण्डीगढ़ : शहर के हजारों स्मॉल फ्लैट्स और खासकर मलोया स्मॉल फ्लैट्स में रहने वाले हजारों गरीब परिवारों को बड़ी राहत देने के लिए भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशंकर मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, चंडीगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा और वरिष्ठ भाजपा नेता संजय टंडन जी का आभार व्यक्त किया है।

मिश्रा ने कहा कि उन्होंने 18 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मलोया स्मॉल फ्लैट्स के निवासियों की समस्याओं को उठाया था। पत्र में फ्लैट्स का किराया एक समान करते हुए 800 रुपये प्रतिमाह करने और कोविड काल व उसके बाद लगाए गए ब्याज को पूरी तरह माफ करने की मांग की गई थी। अब चंडीगढ़ प्रशासन ने दोनों मांगों को स्वीकार कर लिया है। जिन परिवारों से 3,000 रुपये प्रतिमाह किराया लिया जा रहा था, उनका किराया घटाकर 800 रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही बकाया किराये पर लगाया गया ब्याज भी माफ कर दिया गया है।

मिश्रा ने कहा कि प्रशासन के इस फैसले से हजारों गरीब परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। कम आमदनी में परिवार चलाने वाले लोगों के लिए किराये का बोझ काफी बढ़ गया था। ब्याज की वजह से कई परिवार बकाया राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

'रोशनी का बाजार' के जरिए राइज़ोनिक ने ट्राइसिटी के स्थानीय कारीगरों के साथ मनाया दिवाली का उत्सव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)।धीर कंस्ट्रक्शंस एवं वामना ग्रुप के प्रोजेक्ट राइज़ोनिक ने अपने दिवाली अभियान 'इस दिवाली दिल रोशन करते हैं' के तहत 3 नवंबर को राइज़ोनिक प्रोजेक्ट साइट पर 'रोशनी का बाजार' का आयोजन किया। इस विशेष पहल के माध्यम से दिवाली की खुशियों, भारतीय पारंपरिक हस्तशिल्प और सामुदायिक सहभागिता को एक मंच पर लाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ट्राइसिटी के स्थानीय कुम्हारों और हस्तशिल्प कारीगरों की कला को पहचान दिलाने के साथ उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से प्रोत्साहित करना था।



इस पहल के बारे में टीम राइज़ोनिक की ओर से अमित कुमार गुलाटी ने कहा, "दिवाली केवल अपने घरों को रोशन करने का त्योहार नहीं है, बल्कि अपने आसपास के लोगों के जीवन में भी खुशियों और उम्मीदों की रोशनी फैलाने का अवसर है। 'इस दिवाली दिल रोशन करते हैं' अभियान के माध्यम से हमारा उद्देश्य उन मेहनतकश हाथों और उनके हुनर को सम्मान देना था, जिनकी बदौलत हमारी पारंपरिक त्योहारी संस्कृति आज भी जीवंत है। 'रोशनी का बाजार' स्थानीय कुम्हारों और कारीगरों को एक बड़ा मंच, उचित पहचान और समाज से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करने की दिशा में हमारा प्रयास था।"

इस अभियान के तहत राइज़ोनिक ने स्थानीय कुम्हारों और कारीगरों से एक लाख दीये बनवाए, जिससे पारंपरिक कारीगरी को बढ़ावा मिलने के साथ कारीगर परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग भी मिला। मिट्टी के ये दीये भारतीय संस्कृति और दिवाली की परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'रोशनी का बाजार' रहा, जहां स्थानीय कारीगरों ने अपने हाथों से तैयार किए गए विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया और उन्हें सीधे आगंतुकों को बेचा। इस पहल ने लोगों को पारंपरिक कला और शिल्प से रूबरू होने का अवसर प्रदान किया। साथ ही, कारीगरों से सीधे खरीदारी के जरिए उनकी आजीविका को सहयोग देने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर 'धरा' नामक एक विशेष शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें स्थानीय कारीगरों के जीवन, उनके संघर्ष, मेहनत और पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक शिल्पकला की झलक दिखाई गई। फिल्म के माध्यम से दर्शकों को हस्तनिर्मित उत्पादों के पीछे छिपी मेहनत और कारीगरों की वास्तविक कहानियों से परिचित कराया गया।

गुलाब चंद कटारिया ने तेजस ओलम्पियाड 2026–27 के पोस्टर का किया लोकार्पण

चण्डीगढ़ : पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब लोकभवन में डिपार्टमेंट ऑफ हॉलिस्टिक एजुकेशन (डीएचई), विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट (वीबीआईटीआरटी), कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित तेजस ओलम्पियाड 2026–27 के पोस्टर का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री विजय कुमार नड्डा, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के मंत्री चंद्रहास गुप्ता, विद्या भारती, पंजाब के उपाध्यक्ष नवदीप शेखर, डिपार्टमेंट ऑफ हॉलिस्टिक एजुकेशन के संरक्षक महावीर कौशिक (सेवानिवृत आईएएस) तथा डीएचई की अध्यक्ष श्रीमती सोनू अग्निहोत्री शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षा महाकुंभ की मीडिया प्रभारी अधिवक्ता आरती शर्मा, शारदा सर्वहितकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेम सिंह खिमटा, डिपार्टमेंट ऑफ हॉलिस्टिक एजुकेशन के कार्यालय प्रबंधक रमेंद्र सिंह, विंग कमांडर संजीव शर्मा तथा तेजस मैथमेटिक्स की कन्वीनर ज्योति तिवारी भी उपस्थित रहे। तेजस का पूर्ण नाम टैलेंट एक्सप्लोरेशन फॉर जूनियर एसपायरिंग स्कॉलर्स है। यह डिपार्टमेंट ऑफ हॉलिस्टिक एजुकेशन की एक शैक्षिक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यालयी विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानना, उनकी क्षमताओं को प्रोत्साहित करना तथा उनमें ज्ञान, तार्किक चिंतन, भाषाई दक्षता और तकनीकी जागरूकता का विकास करना है।डीएचई ने वर्ष 2025 में डीएचई इंग्लिश ओलंपियाड के माध्यम से अपनी ओलंपियाड यात्रा प्रारंभ की थी, जिसमें 10,000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर इस वर्ष ओलंपियाड श्रृंखला का विस्तार करते हुए इसमें तीन विषयों—मैथमेटिक्स, इंग्लिश एवं फ्यूचर टेक को शामिल किया गया है।

संपादकीय

त्योहारों की खुशियां या सेहत से खिलवाड़?

देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या हर साल सर्दी का मौसम आते ही गंभीर हो जाती है। दूषित हवा में सांस लेना स्थानीय लोगों की सेहत के जोखिम को बढ़ा देता है। स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाने के साथ आपातकालीन उपाय भी किए जाते हैं, लेकिन इनका कोई प्रभावी नतीजा सामने नहीं आता है।दशहरा और दीपावली के आसपास वायु गुणवत्ता का स्तर गिरने का एक बड़ा कारण पटाखों को भी माना जाता है और समाज का एक वर्ग इन पर प्रतिबंध लगाने की मांग लंबे समय से करता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय भी इस समस्या को लेकर गंभीर है। हालांकि, न्यायालय ने इस दफा शहर में लागू प्रतिबंधों में थोड़ी ढील देते हुए निर्धारित समय के लिए सिर्फ हरित पटाखे चलाने की सशर्त अनुमति दी है। इसके तहत दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को सुबह छह से सात बजे तथा रात आठ से दस बजे तक हरित पटाखे चलाए जा सकेंगे। अब परीक्षा प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजंसियों की होगी कि वे इन शर्तों को कितने व्यावहारिक और प्रभावी तरीके से लागू कर पाते हैं। न्यायालय की ओर से हरित पटाखों की सशर्त अनुमति का उद्देश्य त्योहारों से जुड़ी लोगों की भावनाओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना हो सकता है।मगर किसी भी फैसले की सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि निर्धारित समय के भीतर केवल प्रमाणित हरित पटाखे जलाने की अनुमति है, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि बाजार में बिकने वाले पटाखे वास्तव में तय मानकों के अनुरूप हों।सामान्य पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने और प्रतिबंधित पटाखों का इस्तेमाल करने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ी चुनौती शर्तों का पालन कराने की है। दिल्ली में दिवाली के दौरान व्यापक पैमाने पर पटाखे चलाए जाते हैं और ऐसे में हर गली, मोहल्ले और बाजार में निगरानी करना आसान नहीं होगा।राजधानी में स्थिति 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गई थी, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 312 दर्ज किया गया। ऐसे में यदि स्थानीय प्रशासन के पास पर्याप्त कर्मचारी, जांच की व्यवस्था और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की स्पष्ट योजना नहीं होगी, तो अदालत की शर्तें कागजों तक ही सीमित रह सकती हैं।हरित पटाखों को सामान्य पटाखों की तुलना में कम प्रदूषणकारी माना जाता है। इनके निर्माण में कुछ हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे उत्सर्जन में कमी आ सकती है।

भारत में पर्यटन की संभावनाएं, विकास, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियां

(अजय चौरासे)



विश्व आर्थिक मंच के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक-2026 में भारत को 110 अर्थव्यवस्थाओं में 31वां स्थान मिला है। वर्ष 2024 के सूचकांक में भारत 40वें स्थान पर था। इस तरह नौ स्थानों का सुधार दर्ज हुआ है। भारत में पर्यटन की चर्चा होते ही हिमालय, समुद्र, रेगिस्तान, मंदिरों, स्मारकों और वन्यजीवों का जिक्र होने लगता है। मगर पर्यटन की संभावनाएं केवल प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा तक सीमित नहीं हैं। यह क्षेत्र रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास से भी जुड़ा है। इसके बावजूद पर्यटन की सफलता को अक्सर पर्यटकों की संख्या, नए निर्माण और राजस्व अर्जन के पैमाने पर आंका जाता है। जबकि असली सवाल यह होना चाहिए कि पर्यटन से स्थानीय लोगों को कितना लाभ मिल रहा है और जिन प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के सहारे यह उद्योग फल-फूल रहा है, वे कितनी सुरक्षित हैं।

विश्व आर्थिक मंच के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक-2026 में भारत को 110 अर्थव्यवस्थाओं में 31वां स्थान मिला है। वर्ष 2024 के सूचकांक में भारत 40वें स्थान पर था। इस तरह नौ स्थानों का सुधार दर्ज हुआ है। मगर इस उपलब्धि को पर्यटन क्षेत्र की समग्र सफलता का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। यह सूचकांक पर्यटकों की संख्या या पर्यटन से होने वाली आय के बजाय उन परिस्थितियों का आकलन करता है, जो पर्यटन के विकास को संभव बनाती हैं। इनमें सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मानव संसाधन, परिवहन, डिजिटल सुविधाएं, कारोबारी वातावरण और पर्यावरणीय स्थायित्व जैसे पहलू शामिल हैं। लिहाजा, बेहतर रैंकिंग के बावजूद यह देखना जरूरी है कि पर्यटन से जुड़ी बुनियादी समस्याओं का समाधान किस हद तक हुआ है।

भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता उसे पर्यटन के लिहाज से विशिष्ट बनाती है। हिमालय से समुद्र तटों तक, रेगिस्तान से वर्षावनों तक और ऐतिहासिक किलों से प्राचीन धार्मिक स्थलों तक यहां आकर्षणों की लंबी शृंखला है। काशी, केरल, राजस्थान और पूर्वोत्तर के पर्यटन स्थलों की अपनी अलग पहचान है।

बौद्ध परंपरा से जुड़े केंद्रों से लेकर लोक कला और जनजातीय संस्कृति तक, यहां पर्यटकों के लिए अनुभवों की विविधता है। मगर, केवल आकर्षणों की प्रचुरता से पर्यटन का विस्तार नहीं हो सकता। किसी स्थान की लोकप्रियता इस बात पर भी निर्भर करती है कि वहां पहुंचना कितना आसान है और पर्यटकों को कैसी सुविधाएं मिलती हैं। भारत में घरेलू पर्यटन का विस्तार इस क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को स्पष्ट करता है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में घरेलू पर्यटक यात्राओं की संख्या 428.55 करोड़ दर्ज की गई, जबकि विदेशी पर्यटक यात्राएं 2.53 करोड़ रहीं। इसी अवधि में पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय 2,76,831 करोड़ रुपए रही। वर्ष 2023-24 में पर्यटन का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 5.22 फीसद था और इस क्षेत्र ने लगभग 8.46 करोड़ रोजगारों को सहारा दिया। इन आंकड़ों से पर्यटन की आर्थिक महत्ता का पता चलता है, लेकिन यह भी समझना होगा कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचना अभी बड़ी चुनौती है। पर्यटन से रोजगार के अवसर केवल बड़े होटलों और परिवहन कंपनियों तक सीमित नहीं हैं।

स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प, छोटे आवास, सांस्कृतिक आयोजन और ग्रामीण उद्यम भी इससे जुड़ सकते हैं। मगर इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय समुदायों को पर्यटन की गतिविधियों में वास्तविक भागीदारी मिले। इसलिए पर्यटन का मूल्यांकन केवल पर्यटकों की संख्या से नहीं, बल्कि उससे पैदा होने वाले स्थानीय रोजगार और आय के आधार पर भी होना चाहिए। पर्यटन के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

अनेक ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थल ऐसे हैं, जहां पहुंचने के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधाएं नहीं हैं। कहीं स्वच्छ शौचालयों का अभाव है, तो कहीं पेयजल, संकेतक, चिकित्सा सहायता और ठहरने की समुचित व्यवस्था नहीं है। यात्रा के दौरान परिवहन, आवास, खानपान, सुरक्षा और स्थानीय लोगों का व्यवहार भी उतना ही महत्त्वपूर्ण होता है। इसलिए नए पर्यटन स्थलों के विकास के साथ पहले से मौजूद स्थलों की सुविधाओं और प्रबंधन में सुधार करना भी जरूरी है। पर्यटन के विस्तार में एक और गंभीर समस्या अत्यधिक भीड़ और अनियंत्रित निर्माण की है। पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ती इमारतें, तटीय इलाकों में अव्यवस्थित गतिविधियां और ऐतिहासिक नगरों में वाहनों का दबाव न केवल स्थानीय जीवन को प्रभावित करते हैं, बल्कि पर्यटन की मूल संपदा के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। किसी स्थान की प्राकृतिक और सांस्कृतिक वहन क्षमता की अनदेखी कर पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास अंततः नुकसानदेह हो सकता है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी आपदाएं यह स्पष्ट करती हैं कि संवेदनशील इलाकों में निर्माण और पर्यटन गतिविधियों के नियोजन में विशेष सावधानी जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक संवेदनशील पर्यटन स्थल की परिस्थितियों के अनुरूप पर्यटकों की संख्या, निर्माण और संसाधनों के इस्तेमाल का नियमन आवश्यक है।

सांस्कृतिक पर्यटन के मामले में भी विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, बौद्ध विहार, ऐतिहासिक किले और पारंपरिक बस्तियां केवल पर्यटन के केंद्र नहीं हैं। वे समाज की स्मृतियों और जीवन-पद्धतियों का हिस्सा हैं। उन्हें महज व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र में बदल देने से उनकी मौलिक पहचान प्रभावित हो सकती है। धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ के प्रबंधन के साथ उनकी गरिमा और ऐतिहासिक स्वरूप को सुरक्षित रखना जरूरी है।

पर्यटन के बदलते स्वरूप में डिजिटल तकनीक की भूमिका भी बढ़ रही है। यात्रा से पहले पर्यटक अब इंटरनेट के माध्यम से गंतव्य, परिवहन, आवास और खानपान से जुड़ी जानकारी जुटाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए अलग-अलग भाषाओं में यात्रा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने और पर्यटकों की रुचि के अनुसार यात्रा कार्यक्रम तैयार करने की संभावनाएं बढ़ी हैं। मगर तकनीक का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब छोटे पर्यटन कारोबारियों और दूरदराज के स्थलों को भी डिजिटल सुविधाओं से जोड़ा जाए। पर्यटन उद्योग की गुणवत्ता काफी हद तक उसमें काम करने वाले लोगों के कौशल पर निर्भर करती है। प्रशिक्षित गाइड, कुशल होटल कर्मचारी, परिवहनकर्मी और स्थानीय उद्यमी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं। इसके लिए प्रशिक्षण में भाषायी दक्षता, आतिथ्य, प्राथमिक चिकित्सा, डिजिटल भुगतान और आपदा प्रबंधन जैसे व्यावहारिक कौशल शामिल किए जाने चाहिए।

भारत में पर्यटन की संभावनाएं व्यापक हैं, मगर उनका लाभ उठाने के लिए विकास की प्राथमिकताओं पर विचार करना होगा। नए होटल, सड़कें और पर्यटन केंद्र बनाना काफी नहीं है। महत्त्वपूर्ण यह है कि मौजूदा सुविधाओं का रखरखाव कैसा है, पर्यावरण पर कितना दबाव पड़ रहा है और पर्यटन से होने वाली आय का कितना हिस्सा स्थानीय लोगों तक पहुंच रहा है।

ट्रंप पर चौतरफा संकट, इधर चुनाव में हार, उधर ईरान में फूटा गुस्से का लावा

(अभिनय आकाश)



तेहरान में युद्ध की तबाही के खिलाफ भारी आक्रोश है और सड़कों पर ट्रंप विरोधी पोस्टर लगाकर बदले की मांग की जा रही है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी। इस शिकस्त को आक्रामक विदेश नीतियों के खिलाफ अमेरिकी जनता का संदेश माना जा रहा है।

ट्रंप ने ईरान को जो जख्म दिए हैं वो वहां की आवाम के ज़हन से निकलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन। यही वजह है कि वक्त-वक्त पर ईरान की जनता का यह उबाल फूट पड़ता है। इस बार तो तेहरान की सड़कों पर ऐसे पोस्टर्स और बिलबोर्ड लगा दिए गए हैं जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। आखिर क्यों ईरान का बच्चा-बच्चा आज ट्रंप के नाम से आग बबूला हो उठा है? इसकी वजह वो काली तारीखें हैं जब अमेरिकी और इसरली बमों ने ईरान की धरती को दहला दिया था। इस खूनी संघर्ष में ईरान के सिर्फ सैन्य ठिकाने ही तबाह नहीं हुए बल्कि लाखों परिवारों की दुनिया उजड़ा देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई समेत कई दिग्गज लीडर्स कमांडर्स इस जंग में मारे गए। ईरान के लोगों के दिल में अब भी जख्म इतने गहरे हैं कि समय के साथ भरने की बजाय वो और ज्यादा गहराते जा रहे हैं। ईरानी आवाम आज भी उस बर्बादी को भूली नहीं और यह गुस्सा लावा बनकर सड़कों पर फूट पड़ता है। इस बार यह गुस्सा किसी बंद कमरे तक सीमित नहीं बल्कि राजधानी तेहरान की सड़कों पर खुलेआम दिख रहा है। एंगलाब स्क्वायर के व्यस्त इलाके में विशालकाय होल्डिंग्स पर साफ-साफ लिख दिया गया है कि हम ट्रंप को मार डालेंगे। पोस्टर में अमेरिकी राष्ट्रपति को जेल की सलाखों के पीछे बेबस दिखाया गया। सिर्फ ट्रंप ही नहीं बल्कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विचक और इसराइली पीएम विनिमिनेत्रू के खून से सने चेहरों वाले अपमानजनक पोस्टर भी शहर भर में टांग दिए। हाथों में लाल झंडे और खून का बदला खून। कुछ ऐसे बैनर थामे हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। ईरान की राजधानी तेहरान इस वक्त एक सुलगते हुए रणक्षेत्र में तब्दील हो चुकी है। एक तरफ समंदर पार ईरान में मौत के बदले की ये कसमें खाई जा रही हैं तो दूसरी तरफ खुद अमेरिका के भीतर ट्रंप के राजनीतिक भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। देश में हो रहे मध्यवर्ती चुनावों में ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन को तगड़ी हार मिली। सीनेट से लेकर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और कई राज्यों के गवर्नर चुनाव में पार्टी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक विदेश नीतियों और मिडिल ईस्ट में छेड़ी गई इस तबाही भरी जंग से अमेरिकी आवाम भी अंदर ही अंदर खौफ और नाराजगी में। जाहिर है घरेलू मोर्चे पर चुनाव की हार और अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर ईरान की इन खौफनाक धमकियों के बीच ट्रंप चारों तरफ से घिर चुके हैं। यूएस मिड टर्म इलेक्शन में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन को हार का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप के हारने के पीछे की बड़ी वजह ईरान से पंगा लेना भी माना जा रहा है। आरोप लगता है कि ट्रंप और पीएम नितिन यू ने मिलकर ईरान पर बेवजह जंग थोपी। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के हार के करीब पहुंचने पर ईरान ने रिएक्ट किया है। ईरान की पार्लियामेंट के स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा है कि अमेरिकी जनता ने जंग को नकार दिया है। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा अंतरात्मा की आवाज हो या महंगाई का बोझ अमेरिकियों ने जंग के खिलाफ वोट किया है। हम उनके इस संदेश का समर्थन करते हैं। अगर अमेरिकी सरकार अंतरराष्ट्रीय आकाओं और ब्लैकमेल करने वालों के हितों की सेवा के लिए अपने ही नागरिकों की इच्छा के साथ विश्वासघात करती है तो उसे इसका खौफनाक अंजाम भुगतना पड़ेगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगी। इलेक्शन के नतीजों से साफ हो गया है कि अमेरिका के लोग ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ संदेश दे रहे हैं। ट्रंप की हार के पीछे कई वजह हैं। उनमें से एक सबसे बड़ी ईरान और अमेरिका का युद्ध है।

वर्ग पहेली 6265



संकेत: बाएं से दाएं
१. 1893 को अमेरिका में यहां विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने कट्टरता, सहिष्णुता और सभी धर्मों में निहित सच्चाई पर ऐतिहासिक भाषण दिया था (3)
3. भारत के दक्षिण-पश्चिम में एक द्वीप समूह जिसकी राजधानी माले है (4)
6. यह वृक्ष सबसे अधिक आक्सीजन देता है (3)
8. वह प्राणी जो पुरूष जाति का हो (2)
9. लगातार चलते रहने का क्रम (2)
11. भेजा गया, प्रस्थित (3)
12. एक प्रसिद्ध वाद्य जो शंकर भगवान को प्रिय था (3)
14. मुझे (मराठी)(2)
15. पालने वाला (3)
17. ग्राम, खेड़ा, छोटी बस्ती (2)
18. गुजरात के एक प्रधान नगरी जो हिंदू धर्म मानने वालों के चार धामों में से एक है (3)
21. काजल, अंजन (4)
22. क्रिकेट में गेंदबाजी की एक तकनीक (3)
23. पराग के कण, गर्द, धूल (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
१. शिव का प्रलय नाच (5)
2. ग्वालिन, गोपिका, छिपने वाला (2)
3. माल ढोने वाला, माल ले जाने वाला (5)
4. दयनीय अवस्था, गरीब, दरिद्र (2)
5. वह माला जो वधू द्वारा वर को गले में पहनाई जाए (4)
7. पंख, किंतु, लेकिन, डैना (2)
10. मनोविकार, दोष, परेशान, व्याकुल (2)
13. टीवी धारावाहिक महाभारत में द्रोपदी की भूमिका निभाने वाली लोकप्रिय कलाकार (5)
14. अहिरावण का एक द्वारपाल जो पुराणानुसार हनुमान का पुत्र माना गया है (5)
16. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी) (2)
18. इसे वैश्य युग कहा गया है (3)
19. कार्य, काम, बटन का घर (2)
20. वातग्रस्त से व्यक्ति, लंगड़ा, शक्तिहीन (2)

वर्ग पहेली 6264 का हल

गो	यिं	द	व	ल्ल	भ	पं	त
द		वा	र		ला	ग्र	त
सू	ना		द	म		त	
नी	म		ख्रि	ति	ज		जा
र		गु	णा		ल	कु	ट
ह	ला	ल		आ	दे	त	
जा		जा	वा		व		लौं
ना	ह	र		सु	ता	र	

धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि की क्यों होती है पूजा और कैसे शुरू हुई बर्तन खरीदने की परंपरा?

(ज्योति साह)

धनतेरस पर कुबेर देवता और देवी लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान धन्वंतरि की पूजा भी की जाती है। इसे लेकर मन में यह सवाल आता है कि धनतेरस पर धन्वंतरिजी की पूजा क्यों करते हैं और इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा कैसे शुरू हुई? इसका संबंध समुद्र मंथन की कथा से है, तो चलिए विस्तार से जानें इन रहस्यों के बारे में।

धनतेरस का त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाया जाता है। इसी पर्व के साथ दिवाली महापर्व की शुरुआत होती है। धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी, कुबेर देवता के साथ-साथ भगवान धन्वंतरि की पूजा करने का विधान है। साथ ही, इस दिन नए बर्तन, सोना-चांदी आदि शुभ वस्तुएं खरीदने की भी मान्यता चली आ रही है। इसे लेकर मन में यह सवाल आता है कि आखिर धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि की पूजा क्यों की जाती है और इस दिन नए बर्तन, सोना-चांदी आदि खरीदने की मान्यता कैसे शुरू हुई? अगर आप भी इसका जवाब ढूंढ रहे हैं, तो चलिए विस्तार से जानें समुद्र मंथन की कथा क्योंकि, इसी में छिपा है धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि की पूजा और शुभ वस्तुएं खरीदने का रहस्य।

धनतेरस पर क्यों होती है भगवान धन्वंतरि की पूजा? : मान्यताओं और समुद्र मंथन की कथा के अनुसार, भगवान धन्वंतरि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर समुद्र मंथन के दौरान हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। यही कारण है कि हर साल कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि पर यानी दिवाली से ठीक दो दिन पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन धन्वंतरि भगवान हाथ में कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा चली आ रही है। ऐसा करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु का अवतार है धन्वंतरिजी : मान्यता है कि धन्वंतरि भगवान श्रीहरि का ही अंश हैं, इसलिए उनकी छवि भगवान विष्णु से मिलती है। धन्वंतरिजी के हाथों में कलश और औषधि है। कहते हैं कि इन्होंने ही पूरी दुनिया में चिकित्सा विज्ञान का प्रसार किया था। वहीं, भगवान धन्वंतरि के प्रकट होने के दो दिन बाद धन की देवी लक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थीं। यही कारण है कि 2 दिन बाद दिवाली के महापर्व पर लक्ष्मी पूजन किया जाता है।

धनतेरस पर बर्तन और सोना खरीदने की परंपरा : समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि हाथों में स्वर्ण का कलश लेकर प्रकट हुए थे। यही कारण है कि इस दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है। साथ ही, धनतेरस पर मूल रूप से बर्तन खरीदने की परंपरा चली आ रही है। पहले के समय में लोग विशेष तौर पर कलश, घड़ा आदि खरीदते थे जिनका प्रयोग पूजा के कार्यों में किया जाता था। इन बर्तनों का इस्तेमाल घर की सकारात्मकता बढ़ाने, लिपाई आदि के लिए किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज भी लोग धनतेरस के शुभ अवसर पर बर्तन, सोना-चांदी आदि खरीदते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज विरोधियों और प्रतिद्वंद्वियों से सतर्क रहें।करियर और कार्यक्षेत्र में आपको अधिक सक्रिय रहना होगा। परिश्रम के अनुसार सफलता में कमी से मन निराश हो सकता है। कुछ अनचाहे और अप्रत्याशित खर्च का सामना करना होग। विरोधियों और प्रतिद्वंद्वियों से सतर्क रहना होगा, सेहत का भी ध्यान रखें।

वृष

आज,मान सम्मान में वृद्धि होगी । आज का दिन विदेशी क्षेत्र से लाभ दिलाने वाला रहेगा। भाग्य का भी पूरा सपोर्ट बना रहेगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी अप्रत्याशित सफलता से मानसिक खुशी मिलेगी। पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग बढेगा।

मिथुन

आज लाभ और सहयोग मिलेगा।करियर में ग्रोथ का संयोग बनेगा। आप पूर्व अनुभव और तकनीकी ज्ञान का लाभ ले पाएंगे। बिजनेस में आपको लाभ मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण योजना में सफलता से आपको खुशी मिलेगी। टीमवर्क का आपको फायदा मिलेगा।

कर्क

आज भाग्य का सहयोग मिलेगा।आपको आर्थिक मामलों में भाग्य का सहयोग मिलेगा। आप साहसिक फैसला लेकर भी अपने काम को गति दे सकते हैं। गृह सज्जा और वस्त्रों के कारोबार में आपको खूब लाभ मिलेगा। छात्रों का मन विचलित होगा।

सिंह

आज,भाग्य का सपोर्ट मिलेगा । आर्थिक मामलों में आपको भाग्य का सपोर्ट मिलेगा, आपको बोनस या सरप्राइज लाभ मिल सकता है। अधिकारीवर्ग से आपको प्रोत्साहन मिलेगा। बिजनेस में आपकी व्यस्तता बनी रहेगी कोई बड़ा मौका आपके हाथ आ सकता है। आसान तरीकों से धन कमाने के चक्कर से आपको बचना होगा।

कन्या

आज,आपके खर्च में वृद्धि होगी। आपके लिए आज का दिन आर्थिक मामलों में अनुकूल रहेगा। आपके खर्च में वृद्धि होगी लेकिन लाभ का संयोग भी बनेगा। आप अपनी बातों और कलात्मक क्षमता से कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान बना पाएंगे।

तुला

आज, काम की व्यस्तता बनी रहेगी। आपके लिए दिन भर काम की व्यस्तता बनी रहेगी। वैसे आपको काम के साथ मनोरंजन का भी मौका मिलेगा। काम के सिलसिले में यात्रा का भी संयोग बन सकता है। आपको सामाजिकता और व्यवहारिकता के ऊपर भी धन खर्च करना होगा।

धनु

आज,आपको कामयाबी मिलेगी। आप अपने किसी पुराने काम को फिर से शुरू कर सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण योजना में आपको कामयाबी मिलेगी। किसी पुराने मित्र या सहकर्मी से आपको अच्छी खबर मिलेगी। काम की व्यस्तता से आप थकान भी महसूस कर सकते हैं।

कुंभ

आज धन लाभ का संयोग बन सकता है। आपको कार्यक्षेत्र में विरोधियों और प्रतिद्वंद्वियों से सतर्क रहना होगा। लेकिन तकनीकी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कोई चाहत जो काफी समय से अधूरी थी वह पूरी हो सकती है। अचानक से कहीं से धन लाभ का संयोग बन सकता है।

वृश्चिक

आज,नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक लाभ के मामले में दिन आपके पक्ष में है। आपको बोनस या उपहार मिलने की खुशी होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। बिजनेस में लाभ की स्थिति उत्तम रहेगी। सेहत का ध्यान रखते हुए काम करें तो बेहतर होगा।

मकर

आज,संपर्क का फायदा मिलेगा। आप अपने काम में वरिष्ठ लोगों से सहयोग पाएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपको यात्रा भी करनी होगी। अधिकारियों से आपको कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। किसी काम में आपको पूर्व अनुभव और संपर्क का फायदा मिलेगा। पेंडिंग काम को भी पूरा कर पाएंगे।

मीन

आज,कुछ नई जिम्मेदारी आ सकती है। करियर में आपको नई सोच और योजना के साथ आगे बढना होगा। कुछ नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके ऊपर कुछ नई जिम्मेदारी आ सकती है। आपको किसी साथी सहकर्मी के काम में सहयोग करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

10 रुपये के पैकेट से 5100 करोड़ की डील तक, ऐसे बना देसी चाइनीज का बड़ा ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में चाऊमीन, मंचूरियन और शेजवान जैसे चाइनीज व्यंजनों का स्वाद लोगों को हमेशा से पसंद रहा है। लेकिन 1990 के दशक में इन्हें घर पर बनाने के लिए जरूरी सॉस और मसाले आसानी से नहीं मिलते थे। अजय गुप्ता ने इसी कमी में कारोबार का मौका देखा। उन्होंने ऐसा ब्रांड बनाने का फैसला किया, जो भारतीयों को घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा चाइनीज खाना तैयार करने में मदद कर सके। इसी सोच से चिंग्स सीक्रेट की शुरुआत हुई। करीब तीन दशक बाद यह ब्रांड



इतना बड़ा बन गया कि इसकी पैरेंट कंपनी कैपिटल फूड्स को टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने साल 2024 में 5,100 करोड़ रुपये में खरीद लिया। अजय गुप्ता ने 1995 में कैपिटल फूड्स की नींव रखी और 1996 में चिंग्स सीक्रेट ब्रांड बाजार में उतारा। शुरुआत सॉस से हुई। कंपनी ने सोया सॉस, रेड चिली सॉस और ग्रीन चिली सॉस जैसे उत्पाद पेश किए। उस समय इंस्टेंट नूडल्स के बाजार में मैगी जैसे ब्रांड की मजबूत पकड़ थी। ऐसे में चिंग्स सीक्रेट ने सीधे उसी मुकाबले में उतरने के बजाय चाइनीज खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे कंपनी ने हक्का नूडल्स, सूप, मसाले और दूसरी रेडी-टू-कुक चीजें भी अपने उत्पादों में शामिल कीं। इसके अलावा कंपनी ने रिमथ एंड जोन्स नाम से दूसरा ब्रांड बनाया। इसके तहत अदरक-लहसुन का पेस्ट और पास्ता-पिज्जा जैसी डिश बनाने में काम आने वाले उत्पाद पेश किए गए। इस तरह कंपनी ने भारतीय रसोई के लिए अलग-अलग तरह की सामग्री का पूरा पोर्टफोलियो तैयार किया। चिंग्स सीक्रेट की रणनीति सिर्फ सॉस और नूडल्स बेचने तक सीमित नहीं थी। कंपनी ने भारतीय स्वाद के हिसाब से चाइनीज व्यंजनों को घरों तक पहुंचाने पर जोर दिया। भारत में चाइनीज खाना पहले से लोकप्रिय था, लेकिन घर पर उसका वैसा स्वाद तैयार करना आसान नहीं था। चिंग्स सीक्रेट ने इसी जरूरत को अपना कारोबारी आधार बनाया। कंपनी ने भारतीय और चाइनीज स्वाद के मेल को 'देसी चाइनीज' के रूप में पेश किया।
अगस्त 2015 में इस पहचान को ब्रांड ने बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया। इससे उसे बाजार में अलग जगह बनाने में मदद मिली। कंपनी ने शेजवान चटनी जैसे उत्पादों के जरिए भी अपनी पहचान मजबूत की।

ट्रंप की हार से दौड़ पड़ा टायर कंपनी का शेयर, इंट्रा-डे में 6700 बढ़े भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी शिकस्त से अमेरिका के बाद अब भारतीय शेयर बाजार भी गदगद है। इस माहौल के बीच भारतीय शेयर बाजार में लिस्टेड टायर कंपनी स्क्रब्ब्न लिमिटेड के शेयर ने भी निवेशकों को चौंका दिया। इंट्रा-डे के दौरान इस कंपनी के शेयर में 6 पर्सेंट का उछाल आया। कीमत के हिसाब से इस शेयर में इंट्रा-डे के दौरान 6700 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। आइए जानते हैं कि आखिर कंपनी के शेयर में इतनी बड़ी तेजी की वजह क्या है बाजार के सबसे महंगे शेयर के तौर पर पहचान बनाने वाले स्क्रब्ब्न लिमिटेड की बीएसई पर पिछली क्लोजिंग 1,17,961.35 रुपये पर हुई थी। वहीं, गुरुवार को इंट्रा-डे में यह शेयर 1,24,744.90 रुपये तक जा पहुंचा। यह पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 6700 रुपये से ज्यादा की बढ़त को दिखाता है। बीते साल नवंबर महीने में शेयर 1,59,799.95 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। शेयर के लो की बात करें तो 1,15,333.30 रुपये है। यह भाव बीते अक्टूबर महीने में ही रहा था। इस लिहाज से देखें तो शेयर रिकवरी मोड में आ गया है। सीऐट जैसी टायर निर्माता कंपनियों को सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और पेट्रोलियम से जुड़े अन्य कच्चे माल की लागत कम होने से फायदा मिल सकता है।
इसके अलावा, चुनाव के नतीजे का असर वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भी दिखाई दिया।

संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिल गया है

अमेरिका में ट्रंप की हार से कच्चे तेल में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका लगा है और संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिल गया है। इससे ईरान युद्ध के खत्म होने की संभावना बढ़ गई है। इस कारण बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में करीब 9 फीसदी गिरावट आई और यह दो महीने के लो पर चला गया। आज भी कच्चे तेल की कीमत में 1 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई और यह 94 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। इस हफ्ते इसकी कीमत में करीब 16 फीसदी गिरावट आई है।

ब्रेंट क्रूड अभी 0.80 फीसदी गिरावट के साथ 93.86 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 1.36 फीसदी गिरावट के साथ 86.92 डॉलर पर आ गया। इंडियन बास्केट भी करीब 10 फीसदी की गिरावट के साथ 107 डॉलर पर आ गया। भारत के लिए यह अच्छी खबर है क्योंकि कच्चे तेल की कीमत में 1 डॉलर की गिरावट से उसका सालाना आयात बिल करीब 18,000 करोड़ रुपये



कम हो जाता है। कच्चे तेल की कीमत पिछले कई महीनों से लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई थी। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से ऐसा हुआ था। लेकिन अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बंपर जीत से ईरान युद्ध के खत्म होने की उम्मीद जगी है। इसी कारण कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इस बीच गोल्डमैन सैश ने तेल की कीमतों को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है। उसका कहना है कि अगर खाड़ी क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन 2025 के औसत से कम रहता है तो अगले साल इसकी कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर जा सकती है। इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि दिसंबर में ब्रेंट क्रूड की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। गोल्डमैन सैश ने कहा कि अगर गल्फ इलाके में कच्चे तेल का उत्पादन 2025 के रोजाना 35 लाख बैरल के एवरेज से कम रहता है।

क्या है इंडियन बास्केट

इंडियन क्रूड बास्केट भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल ग्रेड का एक वेटेड एवरेज प्राइस है। यह भारतीय रिफाइनर्स द्वारा ग्लोबल मार्केट से खरीदे जाने वाले कच्चे तेल वास्तविक एवरेज कॉस्ट के लिए प्राइमरी बेंचमार्क है। इस बास्केट में हाई सल्फर वाले खराब और कम सल्फर वाले अच्छे ग्रेड के क्रूड शामिल हैं। खराब ग्रेड ओमान और दुबई क्रूड बेंचमार्क का एवरेज है। इसकी बास्केट में 75 से 79 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी वजह यह है कि भारतीय रिफाइनरीज हेवी, हाई सल्फर वाले मिडिल ईस्टर्न क्रूड को प्रोसेस करने के लिए बनाई गई हैं। बाकी 21 से 25 फीसदी हिस्सा स्वीट ग्रेड का है।

भारत का क्रूड इंपोर्ट

भारत अपना करीब 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और यह देश में सबसे ज्यादा आयात की जाने वाली चीज है। पिछले कैलेंडर ईयर में भारत ने करीब 137 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। इस साल अप्रैल से सितंबर के दौरान भारत का क्रूड इंपोर्ट बिल 90.6 अरब डॉलर पहुंच गया जो पिछले साल समान अवधि में 61.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में भारत का क्रूड आयात रिकॉर्ड पर पहुंच गया था।तो 2027 में यह 140 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है। और इसकी औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है।

घरेलू बाजार में बेचीं 20224 गाड़ियां, रॉकेट सा उड़ा अशोक लीलैंड का शेयर, 2 बार बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कमर्शियल व्हीकल्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अशोक लीलैंड के शेयरों में गजब की तेजी आई है। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 171.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अक्टूबर में मजबूत घरेलू बिक्री के बाद अशोक लीलैंड के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली है। अक्टूबर 2026 में अशोक लीलैंड की घरेलू बिक्री 20,224 यूनिट्स की रही है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी की बिक्री 24 पर्सेंट बढ़ी है। पिछले साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की घरेलू बिक्री 16,314 यूनिट्स रही थी। मीडियम एंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स की मजबूत डिमांड की वजह से इस साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की डोमेस्टिक सेल्स में उछाल आया है। कमर्शियल व्हीकल्स बनाने वाली कंपनी अशोक लीलैंड की एक्सपोर्ट को मिलाकर टोटल सेल्स इस साल अक्टूबर में 21,888 यूनिट्स रही। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले एक्सपोर्ट को मिलाकर कंपनी की टोटल सेल्स 23 पर्सेंट बढ़ी। पिछले साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की एक्सपोर्ट समेत टोटल सेल्स 17,820 यूनिट्स थी। मीडियम एंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट में डोमेस्टिक ट्रक सेल्स इस साल अक्टूबर में 39 पर्सेंट बढ़कर 11,102 यूनिट्स रही, जो कि पिछले साल अक्टूबर में 7,972 यूनिट्स थी। हालांकि, घरेलू मार्केट में बसों की बिक्री इस साल अक्टूबर में 6 पर्सेंट घटकर 1,544 यूनिट रही है। पिछले साल अक्टूबर में कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,639 बसें बेची थीं। ओवरऑल मीडियम एंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट की सेल्स अक्टूबर 2026 में 32 पर्सेंट बढ़कर 12,646 यूनिट्स रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 9,611 यूनिट्स थी।

डोनाल्ड ट्रंप की ताकत घटी तो भारत को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने कांग्रेस के दोनों सदनों पर कब्जा कर लिया है। 4 नवंबर को आए नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ा झटका माने जा रहे हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहला मौका है, जब डेमोक्रेट्स को कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत मिला है। इस चुनाव में



महंगाई, कमजोर अर्थव्यवस्था, ईरान के साथ युद्ध और सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर लोगों की नाराजगी का असर दिखाई दिया। चुनाव नतीजों पर भारत की भी नजर थी, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की व्यापार नीतियों और ट्रंप के फैसलों का भारतीय निर्यात पर सीधा असर पड़ा है। डेमोक्रेट्स की जीत से भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत में कुछ राहत मिल सकती है। ट्रंप पर अब कांग्रेस की निगरानी बढ़ेगी, जिससे टैरिफ और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर उनके लिए मनमाने फैसले लेना आसान नहीं होगा। हालांकि, इससे भारत-अमेरिका के रिश्तों में तुरंत सुधार की गारंटी नहीं है। काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली कांग्रेस ट्रंप के फैसलों पर कितना अंकुश लगा पाती है। इसका असर ईरान युद्ध, व्यापार, टैरिफ और विदेश नीति पर भी पड़ सकता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही है।

भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है ट्रंप की करारी हार, अमेरिका है भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट बाजार



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जानकारों का कहना है कि यह भारत के लिए अच्छी खबर है। जानकारों का कहना है कि इससे ट्रेड डील को लेकर अमेरिका के साथ चल रही बातचीत में भारत पर दबाव कम होगा। भारत को अमेरिका के राजनीतिक पटल पर हुए इस बदलाव का फायदा उठाते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते में सभी संवेदनशील मुद्दे सही तरीके से एड्रेस हों। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का बहुमत होने से ट्रंप को अगले दो साल मुश्किल हो सकती है। इससे टैरिफ और मार्केट एक्सेस पर ज्यादा क्लेरिटी आ सकती है और अमेरिका को भारत का एक्सपोर्ट बढ़ सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। साथ ही उसके साथ हम ट्रेड सरप्लस की स्थिति में हैं।

अमेरिका के साथ ट्रेड

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल अजय सहाय ने कहा कि भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए सबसे बड़ी बात यह होगी कि आने वाले दिनों में टैरिफ और मार्केट एक्सेस पर अमेरिकी की पॉलिसी क्या रहती है। इस फाइनेंशियल ईयर की पहली छमाही में भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट 11 फीसदी बढ़कर 50.8 अरब पहुंच गया।

बदल गया समीकरण

जाने माने ट्रेड एक्सपर्ट बिश्वजीत धर ने कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने समीकरण पूरी तरह बदल दिया है। राष्ट्रपति की पावर कम हो जाएगी क्योंकि कांग्रेस उन्हें फ्री हैंड नहीं देगी। उन्होंने कहा कि इन चुनावों के बाद बातचीत की मेज पर भारत का पलड़ा भारी हो गया है। इससे सरकार पर दबाव कम होगा और भारत को इस बदली हुई परिस्थिति का फायदा उठाते हुए एक संतुलित डील करनी चाहिए। हालांकि बैंक ऑफ बड़ौदा में चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा कि चुनाव परिणामों से अमेरिका के ट्रेड पैक्स में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि डील के मौजूदा प्रावधान यथावत रहेंगे लेकिन टैरिफ की समीक्षा हो सकती है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका के लोग हायर टैरिफ को महंगाई के लिए जिम्मेदार मानते हैं। इससे भारत समेत कई देशों को फायदा हो सकता है।
अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने समीकरण पूरी तरह बदल दिया है।

यूपीआई के जरिए खोल सकेंगे एनपीएस खाता

नहीं लगाना होगा बैंकों का चक्कर, पेंशन का दायरा बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन रेगुलेटर बैंकों के नेटवर्क का फायदा उठाकर और इसे सिस्टम से जोड़कर नैशनल पेंशन सिस्टम के तेजी से विस्तार की तैयारी में है। इसका मकसद 2040 तक पेंशन फंड को बढ़ाकर करीब 100 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह जानकारी रेगुलेटर के चेयरमैन एस. रमन ने बुधवार को दी। मुंबई में 'तत्काल एडवांसिंग डिजिटल पेंशन इंक्लूजन' कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रमन ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए खाते खोलने की प्रक्रिया को बहुत आसान बनाने पर काम कर रहा है। इससे ग्राहक बैंकों के ज्यादा चक्कर काटे बिना, अपनी मौजूदा डिजिटल बैंकिंग और पेमेंट ऐप्स के जरिए सीधे पेंशन अकाउंट खोल सकेंगे।

पेंशन का दायरा बढ़ाना जरूरी

निवेश के मोर्चे पर ग्राहकों के लिए अलग-अलग तरह की स्कीम्स और असेट एलोकेशन के विकल्प लाने की दिशा में काम कर रहा है। रमन ने कहा कि जिन निवेशकों को वित्तीय बाजार की अच्छी समझ है और जो जोखिम उठा सकते हैं, उन्हें इक्विटी में ज्यादा पैसा लगाने का विकल्प मिलना चाहिए। इसमें इक्विटी स्कीम्स में 100 फीसदी तक पैसा लगाने का विकल्प भी शामिल हो सकता है। रेगुलेटर पेंशन के पैसों को ज्यादा रिटर्न देने वाले असेट्स में लगाने की तैयारी में भी है। एस. रमन ने बताया कि रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में पहले से हो रहे निवेश के अलावा अब अनलिस्टेड कंपनियों के शेयर, प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग और नए-पुराने इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भी निवेश बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रमन ने कहा कि पेंशन का दायरा बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि रिटायरमेंट के बाद लोगों के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसा हो। 18 से 70 वर्ष की आयु का कोई भी भारतीय नागरिक इसमें शामिल हो सकता है। इसमें कितनी तरह के अकाउंट होते हैं इसमें दो तरह के खाते टियर-1 और टियर-2 होते हैं। टियर-1 एक अनिवार्य मुख्य रिटायरमेंट खाता है। इसमें टैक्स बेनिफिट्स मिलते हैं और 60 वर्ष की उम्र तक पैसे नहीं निकाल सकते हैं। इसमें हर साल कम से कम 1,000 जमा करना जरूरी है। टियर-2 ऑप्शनल और फ्लेक्सिबल इन्वेस्टमेंट अकाउंट है। इसके लिए पहले से एक एक्टिव टियर-1 अकाउंट होना जरूरी है। इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता है लेकिन टैक्स बेनिफिट्स नहीं मिलता है। 60 वर्ष की आयु पर आप अपनी कुल जमा राशि का 60% तक हिस्सा एकमुश्त रकम के रूप में निकाल सकते हैं। इस पर टैक्स नहीं लगता है। कम से कम 40% राशि का उपयोग एन्युइटी खरीदने के लिए करना होगा। इससे आपको हर महीने पेंशन मिलेगी।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई-नीलामी रेलवे वेब साइट www.ireps.gov.in के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

क्र सं.	नीलामी कैटलॉग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
1	UMB-Mix-49-2026	बठिंडा रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) के पास, GRP क्वार्टर के निकट 1894.20 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल। (साइट प्लान के अनुसार)	16.11.2026 12:00
		सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर सैलून साइडिंग के पास मालगोदाम रोड पर कुल 949 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)	
		अंबाला डिवीजन के अंतर्गत सरहिंद रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर 210 वर्ग मीटर का पार्किंग स्थल है, जो दो-पहिया, तीन-पहिया और चार-पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित है।	
		मुस्तफ़ाबाद रेलवे स्टेशन पर कुल 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)	
2	UMB-Mix-50-2026	साइट प्लान के अनुसार, स्टेशन बिल्डिंग के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 507 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल, और रामपुरा फूल (PUL) रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) पर 386.82 वर्ग मीटर कुल क्षेत्रफल वाला दो-पहिया वाहनों के लिए एक पार्किंग स्थल है।	18.11.2026 12:00

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3874/26

पश्चिम बंगाल में 35 हजार करोड़ के पुराने निवेश के बाद अब सज्जन जिंदल की सीएम से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने बुधवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। राज्य सचिवालय नबन्ना में हुई इस बैठक में बंगाल में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत बिजली, पावर सिस्टम, बंदरगाह, सीमेंट और स्टील जैसे क्षेत्रों में निवेश को लेकर हुई। हालांकि, कंपनी की ओर से निवेश की रकम या किसी खास प्रोजेक्ट की जानकारी नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पद संभालने के बाद सज्जन जिंदल के साथ यह उनकी पहली मुलाकात है। इस बैठक को ऐसे समय में अहम माना जा रहा है, जब राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

पहले कितने निवेश का समझौता

जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने साल 2007 में पश्चिम बंगाल की तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के साथ एक बड़ा समझौता किया था। इसके तहत कंपनी को



पश्चिम मिदनापुर के सालबोनी में स्टील, बिजली और सीमेंट का एक बड़ा औद्योगिक परिसर बनाना था। इस प्रोजेक्ट में करीब 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव था।

उस समय यह पश्चिम बंगाल में किसी निजी कंपनी की ओर से घोषित सबसे बड़ा निवेश था। तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार राज्य में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही थी। इस परियोजना को भी उसी औद्योगिक विकास योजना का अहम हिस्सा माना गया था। समूह का कारोबार करीब 23 से 25 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसकी मौजूदगी भारत के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी है। जेएसडब्ल्यू स्टील ग्रुप की प्रमुख कंपनी है और भारत की बड़ी स्टील निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी स्टील उत्पादन और अपनी क्षमता बढ़ाने से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

सालबोनी प्रोजेक्ट में आईं कई बाधाएं

सालबोनी की यह बड़ी परियोजना कई मुश्किलों में फंस गई। नवंबर 2008 में परियोजना के उद्घाटन के कुछ समय बाद सालबोनी-मेदिनीपुर सड़क पर कलाईचंडी के पास बारूदी सुरंग से विस्फोट हुआ था। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, केंद्रीय इस्पात मंत्री रामविलास पासवान और सज्जन जिंदल के काफिले वहां से गुजर चुके थे। इस घटना के बाद परियोजना को लेकर सुरक्षा और दूसरी चुनौतियां सामने आईं। नतीजतन, 2007 में घोषित यह महत्वाकांक्षी योजना लंबे समय तक औद्योगिक चर्चा का विषय बनी रही। अब सज्जन जिंदल और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की मुलाकात से बंगाल में ग्रुप के नए निवेश की संभावनाओं पर फिर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, किसी नए निवेश या परियोजना को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप भारत का एक बड़ा औद्योगिक समूह है। इसका मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में है। सज्जन जिंदल की अगुवाई वाला यह समूह स्टील, बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, पेंट और ऑटोमोबाइल जैसे कई क्षेत्रों में कारोबार करता है।

पिछली तीन दिवाली, सोने के तीन भाव... 80 हजार से 1.30 लाख और अब 1.42 लाख रुपये के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में बुधवार को पंख लग गए। अमेरिका में हुए मिड टर्म चुनाव के नतीजे आने के बाद बुधवार को सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी आई। ऐसे में यह उन निवेशकों को लिए बड़ा संकेत है, जो सोने में तेजी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि धनतरेस और दिवाली पर सस्ते सोने का इंतजार करने वालों को कुछ निराशा हो सकती है। लेकिन यह तेजी उन निवेशकों के लिए भी अच्छा संकेत है।

साल 2025 में कितना मुनाफा- पिछले दो साल में दिवाली पर सोने की कीमत में बड़ा अंतर दिखाई दिया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी-133001 द्वारा समरणकार्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अंतर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सं.	विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	बयाना राशि (₹)
98265823	1.5 टन क्षमता वाले विंडो टाइप एयर कंडीशनर की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। यह 230V AC सप्लाई (50 Hz) पर काम करेगा और इसका ISEER मान कम से कम 3.7 होना चाहिए। इसमें रोटरी कंप्रेसर, नॉन-CFC रेफ्रिजरेंट और कॉपर कॉइल का इस्तेमाल होगा। यह 5 स्टार रेटिंग वाला होना चाहिए। इसमें पूरी मशीन पर कम से कम 1 साल की वारंटी, PCB पर कम से कम 5 साल की वारंटी और कंप्रेसर पर 10 साल की वारंटी होनी चाहिए।	143 Nos	07.12.2026 at 11:00 hrs	₹ 169770/-
	1.5 टन विंडो टाइप AC का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (Comprehensive Annual Maintenance Contract)	5 साल		

1) विक्रेता विवरण के लिए IREPS website i.e. www.ireps.gov.in पर जा सकते है।
2) किसी भी मैन्युअल ऑफर पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सं. 98265823 दिनांक 05.11.26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3883/2026



धनतेरस कब? पूजा, खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में हर त्योहार और पर्व का अपना अलग महत्व है. धनतेरस का दिन हिंदू धर्म में विशेष माना गया है. इस दिन लक्ष्मी पूजा के साथ खरीदारी का विशेष महत्व होता है. इस दिन पूजा प्रदोष काल के दौरान की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद प्रारम्भ होता है, जो लगभग ढाई घंटे तक रहता है. धनतेरस को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है.

धनतेरस का दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जो आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्म दिवस है. इस दिन यम दीपम भी जलाए जाते हैं. परिवार के किसी भी सदस्य की असामयिक मृत्यु से बचने के लिए मृत्यु के देवता यमराज के लिए घर के बाहर दीपक जलाया जाता है, जिसे यम दीपम कहा जाता है. यह धार्मिक संस्कार त्रयोदशी तिथि के दिन किया जाता है.

शुक्रवार के है धनतेरस का पर्व

उपरोक्त तिथि के प्रारंभ और अंत के मान से 06 नवंबर को शाम को प्रदोषकाल रहेगा। इस मान से धनतेरस का पर्व 06 नवंबर 2026 शुक्रवार को ही मनाया जाएगा। धनतेरस पर लक्ष्मी पूजन का सबसे उत्तम समय सूर्यास्त के बाद का 'प्रदोष काल' माना जाता है, जो लगभग 2 घंटे 24 मिनट तक रहता है। 6 नवंबर को प्रदोष काल स्पष्ट रूप से प्राप्त हो रहा है, इसलिए धनतेरस का पूजन इसी दिन होगा।

धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्त

त्रयोदशी तिथि प्रारंभ: 06 नवंबर को सुबह 10:30 बजे से।
त्रयोदशी तिथि समाप्त: 7 नवंबर को सुबह 10:47 बजे तक।
अभिजीत मुहूर्त : दिन में 11:43 से 12:26 तक।
विजय मुहूर्त : दोपहर 01:54 से 02:38 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम को 05:32 से 05:59 तक।
प्रदोष काल- शाम 05:32 से रात्रि 08:09 तक।
वृषभ काल- शाम 06:02 से रात्रि 07:57 तक।
धनतेरस पूजा मुहूर्त- शाम 06:02 से रात्रि 07:57 तक।

धनतेरस पर क्या खरीदें और क्या न खरीदें?

क्या खरीदें - चांदी/सोने के सिक्के, बर्तन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन या धातु से बनी चीजें।
क्या न खरीदें - कांच, एल्युमिनियम या लोहे के सामान, काली वस्तुएं या नुकीली चीजें (छुरी, कैंची आदि)।



धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अमीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- **धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी** : धन तेरस के दिन साबूत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बगीचे में बो दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- **दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति** : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीतयामिति।।

- **बताशे और खीर का लगाएं भोग** : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- **हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन** : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- **तिजोरी में रखें सुपारी** : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरूण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

पूरे विधि-विधान से करें धनतेरस पूजा

धनतेरस केवल खरीदारी का नहीं, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का पर्व है। आइए जानते हैं, पूरे विधि-विधान से धनतेरस पूजा कैसे करें, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजन के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

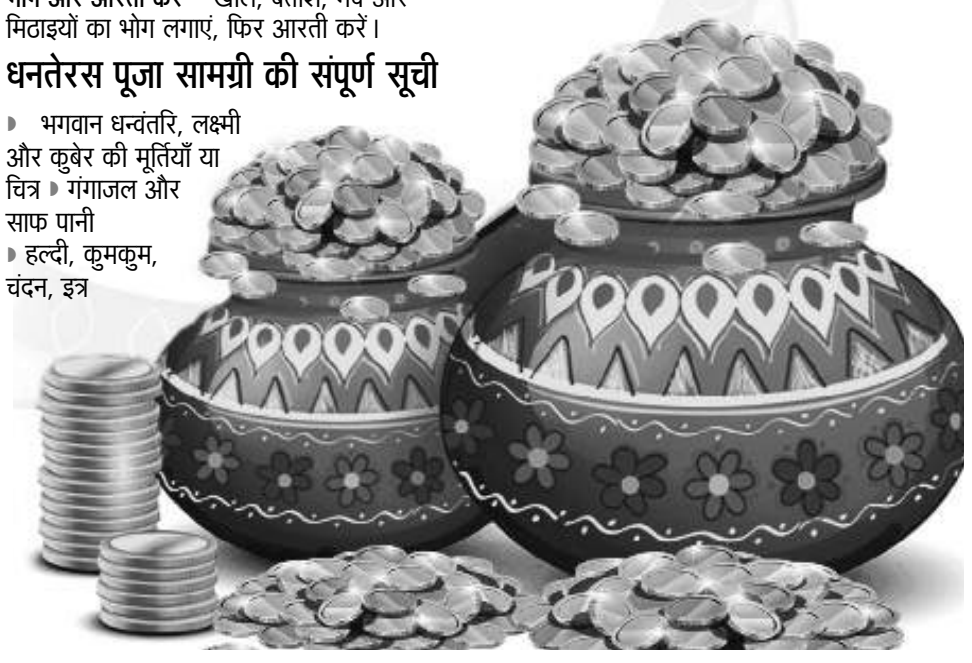
धनतेरस, दीपावली से पहले मनाया जाने वाला पहला और अत्यंत शुभ पर्व है। यह दिन न सिर्फ खरीदारी के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन की गई पूजा से घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य आता है। वर्ष 2026 में धनतेरस का पर्व 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस की पूजा विधि

घर और पूजा स्थान की सफाई करें - मुख्य द्वार और पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और रंगोली बनाएं।
पूजा चौकी सजाएं - उत्तर-पूर्व दिशा में एक चौकी रखें, उस पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं।
कलश की स्थापना करें - एक तांबे या मिट्टी का कलश लें, उसमें गंगाजल और साफ पानी भरें, आम के पत्ते डालें और ऊपर नारियल रखें।
देवताओं की प्रतिमाएं रखें - भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियाँ या चित्र स्थापित करें।
षोडशोपचार पूजा करें - हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत, फूल, दीप, धूप, मिठाई और दक्षिणा से पूजा करें।
दीपक जलाएं - पूजा के समय गाय के घी का बड़ा दीपक और 13 छोटे दीये जलाएं।
भोग और आरती करें - खील, बताशे, मेवे और मिठाइयों का भोग लगाएं, फिर आरती करें।

धनतेरस पूजा सामग्री की संपूर्ण सूची

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की मूर्तियाँ या चित्र
- गंगाजल और साफ पानी
- हल्दी, कुमकुम, चंदन, इत्र
- फूल और फूलों की माला
- कलावा (मौली), जनेऊ
- पूजा चौकी और लाल/पीला कपड़ा
- कलश, आम के पत्ते, नारियल
- खील, बताशे, मिठाई, मेवे
- अक्षत (चावल), साबुत धनिया
- 13 मिट्टी के दीपक, गाय का घी, कपूर, अगरबत्ती
- दक्षिणा, नमक
- चांदी/सोने का सिक्का या नई धातु की वस्तु
- नई झाड़ू





कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रात: उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अत: आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।



नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यतः पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पूराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौधा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते हैं।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते हैं।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते हैं।



विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी। स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी। कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी। कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया। इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह

2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।

कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।

यूईएफए चैंपियंस लीग

कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया



लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटूरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं। ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया। उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।



फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था। वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया। टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है। भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।



'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।



सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प - रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने Cricbuzz पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

- **मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?** - रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'
- **कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल** - रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं।'
- **मुंबई इंडियंस में रहकर भी कप्तानी न करें हार्दिक** - रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।'

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे। खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।' इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिग को हराया



पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है। तारा 'विमेंस हंड्रेड' के पहले सीजन में ल्यूक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी कारण उनकी टीम में ल्यूक विलियम्स का असर अभी से दिखने लगा है।' खिलाड़ियों की नई लिस्ट में मुकुंद का ध्यान विशेष रूप से तारा नॉरिस पर गया। उनके आने से एमआई को अपनी विदेशी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन तय करने में ज्यादा लचीलापन मिलेगा। पूर्व क्रिकेटर का मानना ??है कि तारा नॉरिस का 'एसोसिएट नेशन' से होना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि इससे फ्रेंचाइजी को डब्ल्यूपीएल के नियमों के तहत एक अतिरिक्त विदेशी खिलाड़ी को मैदान पर उतारने का मौका मिल सकता है। तारा के आने से टीम चयन को लेकर वह उलझन भी दूर हो गई है, जिसने पिछले सीजन में एमआई के विकल्पों को सीमित कर दिया था - खासकर तब, जब उन्हें शबनीम इस्माइल को अपनी अन्य विदेशी स्टार खिलाड़ियों के साथ टीम में शामिल करना होता था। मुकुंद ने आगे कहा, 'तारा के जुड़ने से एमआई के पास अब यह विकल्प है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में शबनीम इस्माइल को खिलाने के लिए मजबूर न होना पड़े। पिछले साल यह उनके लिए एक बड़ी समस्या थी, क्योंकि वह अपने चार विदेशी खिलाड़ियों का सही चयन नहीं कर पा रहे थे।



वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा, तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़े

निंगबो,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया। इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।



न्यूज डायरी

हरियाणा में 1,149 सदस्यीय राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) का किया गठन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आपदा प्रबंधन की तैयारियों और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई की क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से 1,149 सदस्यीय राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) का गठन किया है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत औपचारिक अधिसूचना जारी की गई है।

उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, आपातकालीन स्थितियों और अन्य अप्रत्याशित घटनाओं से निपटने के लिए राज्य की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना है। नवगठित राज्य आपदा मोचन बल प्रदेशभर में बचाव, राहत, सुरक्षित निकासी और आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि इस बल के गठन से आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

हरियाणा में पांच एचसीएस अधिकारियों के तबादले

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से पांच एचसीएस अधिकारियों के तबादला एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं।

वर्तमान में नियुक्ति आदेशों की प्रतीक्षा कर रहे श्री धीरज चहल को हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद का संयुक्त राज्य परियोजना निदेशक नियुक्त किया गया है।

श्री संजय बिश्नोई, जो जिला परिवहन अधिकारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, फतेहाबाद, सिरसा और हिसार के पद पर कार्यरत थे, को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में उप-सचिव नियुक्त किया गया है।

फतेहाबाद के सिटी मजिस्ट्रेट श्री गौरव गुप्ता को जिला परिवहन अधिकारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, फतेहाबाद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

हिसार के सिटी मजिस्ट्रेट श्री रोहित कुमार को जिला परिवहन अधिकारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, हिसार का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। सिरसा के सिटी मजिस्ट्रेट श्री अजय सिंह को जिला परिवहन अधिकारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, सिरसा का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

महिला समर्थ संस्थान पुरस्कार योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 नवंबर की गई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सकारात्मक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महिला समर्थ संस्थान पुरस्कार योजना शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे संस्थानों को पहचान एवं प्रोत्साहन प्रदान करना है, जो महिला कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और कार्यस्थल पर समान अवसरों को प्राथमिकता देते हैं।

विभाग के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस पुरस्कार की पांच विभिन्न श्रेणियों के लिए पात्र संस्थानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। सरकार द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 नवंबर, 2026 कर दी गई है। उन्होंने पात्र संस्थानों से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना आवेदन पोर्टल पर अवश्य जमा करवाएं। इस योजना से संबंधित पात्रता, पुरस्कार की श्रेणियों एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की आधिकारिक वेबसाइट वेबसाइट https://onlinemis.wcdhry.gov.in/gaurav/ पर विजिट किया जा सकता है।

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 79267 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 70089 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है।

उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 9955 मीट्रिक टन, बरवाला में 24170 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 15643 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 6092 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी में 3007 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 10678 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 9722 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

उन्होंने बताया कि वहीं हेफेड द्वारा पंचकूला अनाजमंडी से 6017 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी मे 21385 मीट्रिक टन, रायपुरानी अनाजमंडी से 14666 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी अलीपुर द्वारा 5930 मीट्रिक टन धान और एचएसआईआईडीसी रायपुरानी से 2858 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

इसी दौरान हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा बरवाला से 9818 मीट्रिक टन और रायपुरानी से 9415 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया है। उपायुक्त ने समाधान शिविर में बतौड के ग्रामीण की अवैध खंभे की शिकायत पर कार्रवाही करते हुए संबंधित अधिकारी को मौका मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं, प्राथमिकता के आधार पर बिना विलंब किए समाधान करने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर में बतौड के ग्रामीण की घर के सामने से हाईवोल्टेज बिजली के तार व अवैध खंभे का हटवाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता को मामले की जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने आज जिलावासियों की 2 समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब किए समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने गांव गरीड़ा, चरनिया व खोखरा की भूमि, रेलवे विभाग द्वारा अधिग्रहण करने व भूमि की इंतकाल दर्ज करवाने पर संज्ञान लेते हुए तहसीलदार पंचकूला को तहसीलदार कालका से तालमेल कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर से जुड़ते है व जिला प्रशासन द्वारा समाधान किए गए लोगों के कार्यों की मॉनिटरिंग करते है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संविधान और आम नागरिक का वोट, एसआईआर पर भ्रम फैला रही कांग्रेस : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

जगदीश, हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने जनसभा को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने लोकतंत्र, संविधान, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), राष्ट्रीय एकता और विपक्ष की राजनीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान और एक सामान्य नागरिक का वोट है। किसी व्यक्ति के पास धन, प्रभाव या बड़े परिवार का नाम हो अथवा न हो, मतदान केंद्र पर उसके एक वोट का महत्व देश के प्रत्येक नागरिक के वोट के बराबर होता है। उस एक वोट में किसान का परिश्रम, मजदूर की उम्मीद, नौजवान का भविष्य और माताओं-बहनों की आकांक्षाएं जुड़ी होती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चुनाव आयोग की नियमित संवैधानिक प्रक्रिया है, जो समय-समय पर होती रही है। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लेकर झूठ और भ्रम फैलाने का काम किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लोकसभा में दिए गए वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि एसआईआर की शुरुआत वर्ष 1952 में हुई थी और इसके बाद भी अलग-अलग वर्षों में यह प्रक्रिया अपनाई जाती रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की एक आवश्यक प्रक्रिया है।

केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों के दौरान देश में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेता देशविरोधी तत्वों को आगे करके उनके कंधों पर बंदूक रखकर देश में भ्रम और अव्यवस्था का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

मनोहर लाल ने कहा कि भारत की जनता लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखती है। हरियाणा की धरती तो सदैव देश की रक्षा और राष्ट्रसेवा के लिए जानी जाती रही है। ऐसे में लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगियों से देश में अराजकता फैलाने की राजनीति बंद करने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने एसडीएम पंचकूला व कालका को सभी मिठाई व खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग करने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपात शर्मा ने पंचकूला व कालका के एसडीएम को दीपावली पर्व के मद्देनजर टीम के साथ जिले की सभी मिठाई, पनीर व अन्य खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मिलावटी, एक्सपायरी डेट वाला सामान बेचने वालों को बक्शा नहीं जाएगा व जनता की सेहत से खिलवाड़ बिलकुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।



श्री सतपाल शर्मा ने जिलावासियों से अपील की कि यदि कोई मिठाई व खाद्य पदार्थ बिक्रेता मिलावटी या एक्सपायरी डेट वाला सामान बेचता हुआ आपके नोटिस में आए तो तुरंत प्रभाव से प्रशासनिक टीम व उपायुक्त कार्यालय में इसकी जानकारी दें सकता है। जिला प्रशासन तुरंत प्रभाव से वह सामान नष्ट करवाएगा व विक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि दीपावाली हिंदूओं का बड़ा पर्व है। पूरे प्रदेश में धूमधाम से दीपावाली पर्व मनाया जाता है। इस दिन लोग मिठाई, मावा, पनीर, देसी घी व अन्य खाद्य सामग्रियों का बहुतायत खरीदते है। उन्होंने बताया कि इस पर्व के मद्देनजर सभी मिठाई बिक्रता व खाद्य पदार्थ विकेरता नकली सामान के विक्रय से बचे।

उपायुक्त ने मिठाई और खाद्य प्रतिष्ठानों के विक्रेताओं को सचेत करते हुए कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी या मिलावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खाद्य प्रतिष्ठान और मिठाई दुकान संचालकों को जागरूक करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

सेक्रेड हार्ट स्कूल के नन्हे विद्यार्थियों ने दिया हरित दीपावली मनाने का संदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-26 के प्री-प्राइमरी विंग द्वारा दीपावली का पर्व बड़े उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 'पटाखों को कहें ना, हरित दीपावली मनाएं' विषय पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।



इस रैली में नन्हे विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के संदेशवाहक बनकर पूरे विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक मार्च किया। उन्होंने विभिन्न नारों के माध्यम से सुरक्षित, प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया। बच्चों की उत्साहपूर्ण आवाजों ने पर्यावरण की रक्षा करने और त्योहारों को जिम्मेदारी के साथ मनाने के महत्व को रेखांकित किया।

उत्सव की रौनक को और बढ़ाते हुए नन्हे कलाकारों ने विद्यालय के गलियारों को रंग-बिरंगी और आकर्षक रंगोलियों से सजाया। इन रंगोलियों में बच्चों की रचनात्मकता, उल्लास और भारतीय परंपराओं के प्रति उनकी सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिली।

ह संपूर्ण आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या रेव. सिस्टर वेनिटा जोसेफ और हेडमिस्ट्रेस रेव. सिस्टर अलविना के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में संपन्न हुआ। दोनों ही विद्यार्थियों को जीवन के सार्थक मूल्यों को अपनाने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए निरंतर प्रेरित करती हैं।

इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि दीपावली का वास्तविक सार पर्यावरण की रक्षा करते हुए जीवन में रोशनी, खुशियां और प्रेम फैलाने में निहित है। विद्यालय की इस पहल ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और त्योहारों को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने के लिए प्रेरित किया।

एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा ने संभाला हैफेड के चेयरमैन का पदभार

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। एडवोकेट श्री वीरेंद्र शर्मा ने आज पंचकूला स्थित हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन प्रसंघ (हैफेड) के मुख्यालय में चेयरमैन के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली, श्री सुरेश सैनी, हरियाणा लोक सेवा आयोग के सदस्य श्री आनंद शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



पदभार ग्रहण करने के उपरांत एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सहकारी समितियों के सुचारु संचालन, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा हैफेड को एक सशक्त एवं आधुनिक कृषि सहकारी संस्था के रूप में विकसित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि हैफेड हरियाणा के किसानों और कृषि अर्थव्यवस्था से सीधे तौर पर जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था है। किसानों के हितों की रक्षा, कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन, सहकारी समितियों के बीच समन्वय तथा संस्थागत कार्यप्रणाली में दक्षता लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

श्री शर्मा ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश की सहकारी समितियाँ सुचारु रूप से कार्य करें और हैफेड की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुँचे। किसानों की समृद्धि, सहकारिता की मजबूती और संस्था की कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।"

उन्होंने आगे कहा कि सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा। साथ ही हैफेड की गतिविधियों को और अधिक किसान हितैषी, जवाबदेह तथा परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में हैफेड सहकारिता और कृषि विपणन के क्षेत्र में नई उपलब्धियाँ हासिल करेगा।

दीपावली पर हस्तनिर्मित मोमबत्तियों और आकर्षक रंगोली से सजेगा दीपोत्सव का रंग : कलाकार जया की अनूठी कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी चलेगी 8 नवंबर तक चलेगी

चण्डीगढ़ : दीपावली के पावन पर्व को खास और यादगार बनाने के लिए शहर में हस्तनिर्मित कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। कलाकार जया के नेप्च्यून आर्ट्स 18 की ओर से 4 से 8 नवंबर तक बख्शी ब्रदर्स, एससीओ-3, सेक्टर-19सी में विशेष स्टॉल लगाया गया है। इसमें हाथ से तैयार की गई खूबसूरत मोमबत्तियों और दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली आकर्षक रंगोली की विभिन्न कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं।

इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक त्योहारों को कलात्मक अभिव्यक्ति के साथ जोड़ना और हस्तनिर्मित कला को प्रोत्साहित करना है। यहां उपलब्ध मोमबत्तियां दीपावली के अवसर पर घरों को रोशनी और खूबसूरती से सजाने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई हैं। वहीं, पुनः इस्तेमाल की जा सकने वाली रंगोली घर के आंगन और प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी देती है। कलाकार जया की इन रचनाओं में रचनात्मकता, व्यक्तिगत पसंद और पारंपरिक भारतीय संस्कृति का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। प्रदर्शनी में आने वाले लोग अपने घरों की सजावट के लिए अनूठी वस्तुएं खरीदने के साथ-साथ इन्हें अपने प्रियजनों को दीपावली के उपहार के रूप में भी दे सकते हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस प्रदर्शनी में पहुंचकर हस्तनिर्मित कला को प्रोत्साहित करें और दीपों के इस त्योहार को कलात्मकता एवं रचनात्मकता के रंगों के साथ मनाएं।

एसआईआर को लेकर विपक्ष कर रहा है भ्रामक प्रचार - नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ' पदयात्रा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया।

पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल, हरियाणा प्रदेश की प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, श्री महिपाल ढांडा, डॉ अरविंद शर्मा, श्री कृष्ण बेदी, राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण मिड्ढा, गवर्नमेंट चीफ व्हिप एवं विधायक राम कुमार कश्यप, विधायक जगमोहन आनंद, विधायक भगवानदास कबीरपंथी, विधायक योगेंद्र राणा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का हरियाणा की पावन धरती पर पहुंचने पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दानवीर कर्ण की नगरी करनाल त्याग, सेवा और दान की परंपरा के लिए जानी जाती है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मत सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है, जो देश और प्रदेश के भविष्य के निर्माण में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करता है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और वह बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। मतदाता सूची में मृत व्यक्तियों के नाम, दोहरी प्रविष्टियों और त्रुटिपूर्ण रिकॉर्ड की नियमानुसार जांच कर उचित प्रक्रिया के तहत सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर संबंधित निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नियमानुसार दावा या आपत्ति दर्ज करवाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार हम दीपावली से पहले अपने घरों की सफाई करते हैं, उसी प्रकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता भी जरूरी है।

जिला स्तरीय निपुण रामलीला प्रतियोगिता में नन्हें विद्यार्थियों ने मोहा मन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिला स्तरीय निपुण रामलीला प्रतियोगिता का आयोजन डीसी मॉडल स्कूल, सेक्टर-7, पंचकूला में किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती मन्नत राणा, एसडीएम पंचकूला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति कौशल एवं नैतिक मूल्यों का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



प्रतियोगिता में पंचकूला जिले के चारों खंडों से कुल 13 टीमों के 168 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में राजकीय संस्कृति मॉडल प्राथमिक विद्यालय, बूँगा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजकीय प्राथमिक पाठशाला, महेशपुर की टीम द्वितीय तथा संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, सेक्टर-26, पंचकूला की टीम तृतीय स्थान पर रही। मुख्य अतिथि श्रीमती मन्नत राणा ने विजेता टीमों को क्रमशः 5,000, 3,000 एवं 2,000 रुपये की पुरस्कार राशि तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका डाइट पंचकूला की वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती रश्मि शर्मा, प्रवक्ता श्री अश्विन शांडिल्य तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोट के प्रवक्ता श्री अनिरुद्ध भट्ट ने निभाई। निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति, संवाद अदायगी, विषयवस्तु एवं मंचन के आधार पर टीमों का मूल्यांकन किया।

इस अवसर पर जिला एफएलएन कोऑर्डिनेटर श्री असिन्द्र कुमार ने निपुण हरियाणा मिशन के उद्देश्यों एवं इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक दक्षता, भाषा कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निपुण रामलीला जैसी गतिविधियाँ शिक्षण को आनंददायक एवं अनुभव आधारित बनाने का प्रभावी माध्यम हैं।

भिक्षा नहीं, शिक्षा' अभियान के तहत चलाया गया विशेष रेस्क्यू अभियान, 7 बच्चों को कराया गया रेस्क्यू

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के निर्देशानुसार जिला पंचकूला में बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने तथा उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से 'भिक्षा नहीं, शिक्षा' अभियान के तहत आज विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, एसटीयू (स्पेशल टास्क यूनिट), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, स्वास्थ विभाग, शिक्षा विभाग तथा क्राई एवं मीद, एनजीओ के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। रेस्क्यू अभियान के दौरान सेक्टर-9 मार्केट, सेक्टर-5, माजरी चैक, सेक्टर-8, सेक्टर-9 एवं सेक्टर-10 लाइट पॉइंट सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों और बाजारों में संयुक्त रूप से निरीक्षण एवं रेड की गई। इस कार्रवाई के दौरान कुल 7 बच्चों को भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए बच्चों के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा एवं पुनर्वास को प्राथमिकता दी जाएगी। संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बंदियों के हुनर को मिला सम्मान, दीपावली प्रदर्शनी में लोगों ने दिखाई खासी रूचि, उमड़ा जनसैलाब

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)।दीपावली के अवसर पर हरियाणा कारागार विभाग द्वारा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के प्रांगण में आयोजित स्टाल को लगातार दूसरे दिन भी लोगों का भरपूर सहयोग मिला। हरियाणा की विभिन्न जेलों में बंद बंदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को खरीदने के लिए उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं और अन्य लोगों ने उत्साह दिखाया। उन्होंने बंदियों के हुनर, मेहनत और कला की सराहना करते हुए उनके बनाए सामान की जमकर खरीदारी की।



बंदियों द्वारा तैयार सामान को लोगों ने खूब पसंद किया

प्रदर्शनी में हरियाणा की विभिन्न जेलों में बंद बंदियों द्वारा अपने हाथों से तैयार की गई सजावटी वस्तुएं, घरेलू उपयोग का सामान, फर्नीचर, लकड़ी से बनी वस्तुएं, कलात्मक सामान और दीपावली से जुड़ी कई आकर्षक वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। इन उत्पादों की सुंदरता, बेहतर बनावट और बारीक कारीगरी ने उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं सहित अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित किया। लोगों ने न केवल इन उत्पादों को उत्सुकता से देखा, बल्कि अपनी पसंद के अनुसार उनकी खरीदारी भी की। उच्च न्यायालय के अनेक अधिवक्ताओं ने बंदियों द्वारा तैयार सामान की गुणवत्ता और उनकी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि बंदियों द्वारा इतनी सुंदर और उपयोगी वस्तुएं तैयार करना सराहनीय है। प्रदर्शनी में आए लोगों ने भी बंदियों के हुनर को प्रोत्साहित करते हुए उनके बनाए उत्पादों में रुचि दिखाई। इस दौरान प्रदर्शनी स्थल पर काफी उत्साह देखने को मिला। लोगों की ओर से मिल रही सराहना ने बंदियों की कला और मेहनत को एक नई पहचान देने के साथ-साथ उनका हौसला बढ़ाने का काम किया।

बंदियों का बढ़ रहा आत्मविश्वास

महानिदेशक, कारागार विभाग श्री ए एस चावला ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बंदियों को अपनी कला और हुनर दिखाने के साथ-साथ उनके काम को पहचान दिलाना है। जब उनके द्वारा दिन-रात मेहनत से तैयार किए गए उत्पादों को लोग पसंद करते हैं और उनकी खरीदारी करते हैं, तो इससे बंदियों का हौसला और आत्मविश्वास बढ़ता है। लोगों की ओर से मिलने वाली प्रशंसा उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि वे भी अपनी मेहनत, लगन और हुनर के दम पर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। इस तरह के आयोजन बंदियों को अपनी गलतियों से सीखकर जीवन में नई शुरुआत करने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, उन्हें यह समझने का अवसर मिलता है कि सीखे गए हुनर के माध्यम से वे भविष्य में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं और अपने परिवार का सहारा बन सकते हैं। जेल से बाहर आने के बाद वे अपने हुनर को आजीविका का साधन बनाकर सम्मान के साथ जीवन जी सकें, इसी सोच के साथ विभाग द्वारा ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।